sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 1

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी पेज: 7

मनीष मल्होत्रा ने तैयार किया नया आउटफिट पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 324 | शुक्रवार 06 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नीतीश की राज्य सभा एंट्री पर राजद का बड़ा दावा- 'ये ट्वीट तो दिल्ली में लिखा गया है'

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए अपना नामांकन स्वीकार करने के कुछ घंटों बाद, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मृत्युंजय तिवारी ने गुरुवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के कुछ ही महीनों बाद यह घोषणा एक बड़ा झटका है और इसे एक बड़ा राजनीतिक अपहरण करार दिया। उन्होंने आगे कहा कि इस घोषणा से भाजपा का अपने सहयोगियों के प्रति रवैया उजागर हो गया है। तिवारी ने एएनआई से कहा कि कल से बिहार की राजनीति में अचानक एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि भाजपा चुनाव के तुरंत बाद इतनी जल्दी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हटा देगी, लेकिन हमारे नेता तेजस्वी यादव लगातार कहते आ रहे थे कि भाजपा जेडीयू को खत्म कर देगी और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से बेदखल कर देगी। तिवारी ने कहा कि जेडीयू के कई लोग भाजपा के साथ मिलीभगत कर रहे हैं

ईरानी जंगी जहाज पर अमेरिका हमले से हिंद महासागर में तनाव, राहुल गांधी ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

उन्होंने इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का त्याग....

ईरानी युद्धपोत 'आईरिस देना' पर अमेरिकी हमले को लेकर राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया है, उन्होंने इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का त्याग और पश्चिम एशिया के संघर्ष का देश के करीब आना बताया है।

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरते हुए उन पर श्रीलंका के पास अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत आईरिस देना को डुबोए जाने के बाद चुप्पी बरतने का आरोप लगाया। यह युद्धपोत विशाखापत्तनम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 (आईएफआर) और मिलान 2026 में भाग लेने के बाद लौट रहा था। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत के पिछवाड़े तक पहुंच गया है और प्रधानमंत्री मोदी पर देश को "स्थिर नेतृत्व" की आवश्यकता के समय "भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को त्यागने" का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि संघर्ष हमारे पिछवाड़े तक पहुंच गया है, हिंद महासागर में एक ईरानी युद्धपोत डूब गया है। फिर भी प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं कहा। ऐसे समय में हमें एक स्थिर नेतृत्व की आवश्यकता है। इसके बजाय, भारत के पास एक समझौतावादी प्रधानमंत्री है जिसने हमारी रणनीतिक स्वायत्तता को त्याग दिया है। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण भारत की तेल आपूर्ति पर खतरे को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत की तेल आपूर्ति खतरे में है, क्योंकि हमारे आयात का 40% से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। एलपीजी और एलएनजी के लिए स्थिति और भी खराब है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कहा कि 'आईरिस देना' ने भारत के निमंत्रण पर अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 (आईएफआर) और मिलान 2026 में भाग लिया था, और उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमले ने "भारत की संवेदनशीलता को नजरअंदाज किया। उन्होंने पर एक पोस्ट में कहा कि अगर हमने मिलान अभ्यास में भाग लेने के लिए ईरानी जहाज को आमंत्रित न किया होता, तो वह वहां नहीं होता। हम मेजबान थे। मुझे बताया गया है कि इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के अनुसार जहाज कोई गोला-बारूद नहीं ले जा सकते। वह निहत्था था। ईरानी नौसेना के कर्मियों ने हमारे राष्ट्रपति के सामने परेड की थी। अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा किया गया हमला सुनियोजित था क्योंकि अमेरिका को अभ्यास में ईरानी जहाज की उपस्थिति की जानकारी थी, जिसमें अमेरिकी नौसेना को आमंत्रित किया गया था, लेकिन अंतिम समय में उसने भागीदारी से नाम वापस ले लिया, संभवतः इसी ऑपरेशन को ध्यान में रखते हुए। उन्होंने आगे कहा अमेरिका ने भारत की संवेदनशीलता को नजरअंदाज किया है क्योंकि जहाज भारत के निमंत्रण के कारण इन जलक्षेत्रों में था। हम अमेरिकी हमले के लिए राजनीतिक या सैन्य रूप से जिम्मेदार नहीं हैं। हमारी जिम्मेदारी नैतिक और मानवीय स्तर पर है।

भारतीय नौसेना द्वारा (राजनीतिक मंजूरी के बाद) उन लोगों के जीवन की हानि पर शोक व्यक्त करना उचित होगा जो हमारे आमंत्रित थे और जिन्होंने हमारे राष्ट्रपति को सलामी दी थी। इसी बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि हिंद महासागर में टॉरपीडो से ईरानी जहाज आईरिस डेना को नष्ट करने की अपनी कार्रवाई पर संयुक्त राज्य अमेरिका को पछतावा होगा।

बिहार सीएम की कुर्सी पर सस्पेंस ! नीतीश की विदाई के बाद क्या भाजपा चौंकाने वाला नाम सामने लाएगी?

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने के महज चार महीने बाद, नीतीश कुमार ने गुरुवार को राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे पटना में तीव्र राजनीतिक हलचल मच गई और इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गईं कि मुख्यमंत्री पद पर उनका उत्तराधिकारी कौन होगा। जनता दल (यूनाइटेड) के सुप्रीमो, जिन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर अपना दबदबा बनाए रखा है। अब जब नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहे हैं तो राज्य में भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना सकती है। पार्टी के भीतर कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन बिहार में सत्ता संभालने के लिए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को व्यापक रूप से सबसे आगे माना जा रहा है। कुशवाहा ओबीसी समुदाय के एक प्रमुख नेता, चौधरी ने पिछले कुछ वर्षों में पार्टी संगठन और राज्य सरकार दोनों में अपनी राजनीतिक स्थिति को लगातार मजबूत किया है। एनडीए सरकार में उनकी भूमिका और कुमार के साथ मिलकर काम करने के उनके अनुभव ने उनकी प्रशासनिक साख को और बढ़ाया है। एक और अहम नाम जो चर्चा में है, वह है केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय का। भाजपा के एक प्रमुख यादव नेता राय कई वर्षों तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अधीन कनिष्ठ मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उनकी पदोन्नति यादव समुदाय को एक सशक्त संदेश दे सकती है, जिसे परंपरागत रूप से विपक्ष का मुख्य समर्थक आधार माना जाता है। यह समुदाय लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के साथ राजनीतिक रूप से जुड़ा रहा है। चौधरी और राय के अलावा, बिहार के मंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल का नाम भी संभावित उम्मीदवार के रूप में चर्चा में है। वैश्य (कलवार) समुदाय से संबंध रखने वाले जायसवाल को अपेक्षाकृत उदार और संगठनात्मक रूप से विश्वसनीय नेता माना जाता है। सीमांचल क्षेत्र, विशेष रूप से किशनगंज के आसपास, उनका राजनीतिक प्रभाव उनकी एक प्रमुख ताकत के रूप में देखा जाता है।

पिता शरद पवार के लिए भावुक हुईं सुप्रिया सुले, बोलीं- सोनिया और राहुल गांधी का आभारी हूं

नई दिल्ली एजेंसी: एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को शरद पवार के राज्यसभा नामांकन का समर्थन करने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे और मल्लिकार्जुन खर्गे सहित प्रमुख नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह निर्णय महा विकास अघाड़ी द्वारा लिया गया था, जो गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता का प्रतीक है। सांसद सुले ने पार्टी के साथ खड़े रहने और गठबंधन द्वारा लिए गए निर्णय का समर्थन करने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, संजय राउत, आदित्य ठाकरे और मल्लिकार्जुन खर्गे के साथ-साथ कांग्रेस और शिवसेना के नेताओं को धन्यवाद दिया। सुले ने पत्रकारों से कहा कि मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, संजय राउत, आदित्य ठाकरे... और मल्लिकार्जुन खर्गे, साथ ही हर उस कांग्रेस नेता का तहे दिल से आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे, और उन वरिष्ठ शिवसेना नेताओं का जिनके साथ हमने काम किया, और उन सभी का जिन्होंने शरद पवार साहब के साथ छह दशकों तक काम किया। महा विकास अघाड़ी की ओर से शरद पवार साहब का फॉर्म भरने के उनके फैसले के लिए मैं तहे दिल से उनका आभारी हूं, और मैं वास्तव में सभी का आभारी हूं। महाराष्ट्र विधानसभा में वर्तमान विधायी संख्या के आधार पर, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास उन छह सीटों पर आराम से जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त संख्या है। विपक्षी एमवीए गठबंधन - जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं - के पास सातवीं और अंतिम सीट हासिल करने के लिए ठीक उतने ही संयुक्त वोट (36 प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता) हैं। इससे पहले 4 मार्च को, कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि पार्टी उच्च स्तर के आह्वान के बाद आगामी राज्यसभा चुनावों में शरद पवार का समर्थन करेगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने शुरू में इस सीट पर दावा किया था, लेकिन एनसीपी के साथ समन्वय और महा विकास अघाड़ी के सिद्धांतों का पालन करते हुए पवार का समर्थन किया गया, जो महत्वपूर्ण चुनावों से पहले गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता को दर्शाता है।

असम चुनाव से पहले कांग्रेस को तगड़ा झटका, 3 निलंबित विधायक भाजपा में शामिल

नई दिल्ली एजेंसी: असम कांग्रेस के तीन निलंबित विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, बसंत दास और शशि कांत दास शनिवार को गुवाहाटी स्थित राज्य भाजपा मुख्यालय में राज्य पार्टी अध्यक्ष दिलीप सैकिया की उपस्थिति में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं का भाजपा में शामिल होना पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है, खासकर पिछले महीने असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद। केंद्रीय राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने एएनआई को बताया कि अन्य पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस के नेता और पदाधिकारी आज भाजपा में शामिल हो रहे हैं। वे हमारी विचारधारा के प्रति अपना समर्थन दिखा रहे हैं। मार्गेरिटा ने आगे कहा कि आगामी चुनावों के लिए कांग्रेस की 42 उम्मीदवारों की सूची में नयापन नहीं है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने मंगलवार को आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने 42 उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की। पबित्रा मार्गेरिटा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची में कोई नयापन नहीं है। 42 उम्मीदवारों में से लगभग 20 को पिछले चुनावों में जनता ने कई बार नकार दिया था। हमें इससे कोई चिंता नहीं है। इससे पहले बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची की आलोचना करते हुए इसे वंशवादी सूची बताया और भाजपा द्वारा जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं पर दिए जा रहे जोर की सराहना की। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इसे सूची कहा जा सकता है, लेकिन मैं इसे वंशवादी सूची कहूंगा। इसके विपरीत, भाजपा की सूची में जमीनी स्तर के कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई (जोरहाट), बिटुपन सैकिया (गोलाघाट), गौरीपुर से अब्दस सोबाहन अली सरकार, गोलपारा पश्चिम (एसटी) से मार्कलाइन मारक, बोंगाईगांव से गिरीश बरुआ, बारपेटा (एससी) से महानंदा सरकार और बोको-चायगांव (एसटी) से रामेन सिंह राभा शामिल

मध्य पूर्व संकट: खड़गे का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है। खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया।

उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं।

'इनके दामन पर कोई दाग नहीं' अमित शाह ने की नीतीश कुमार की जमकर तारीफ, कहा- 'स्वर्णिम अध्याय' है उनका कार्यकाल

नई दिल्ली एजेंसी: गुरुवार को बिहार में एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला, जब मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नीतीश कुमार के अलावा, उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन सहित अन्य एनडीए उम्मीदवारों ने भी उच्च सदन के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार ने दो दशकों से अधिक समय तक इस पद पर रहने के बाद राज्यसभा के लिए चुनाव लड़ने की घोषणा की थी और मौजूदा चुनाव में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। 75 वर्षीय नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि नए मंत्रिमंडल को उनका पूरा समर्थन प्राप्त होगा। नामांकन के बाद अमित शाह ने कहा कि मैं नितिन नबीन, नीतीश कुमार, रामनाथ ठाकुर, उपेंद्र कुशवाहा और सुदेश राम के राज्यसभा नामांकन समारोह में शामिल होने पटना आया हूँ। नितिन नबीन ने राज्य में एक लंबे और सफल राजनीतिक करियर के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और अब राज्यसभा के माध्यम से संसद में भी अपना योगदान देंगे। आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इसके साथ ही, लंबे अंतराल के बाद वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करेंगे। शाह ने कहा कि नीतीश कुमार 2005 से अब तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनका कार्यकाल वास्तव में गौरवशाली रहा। यह कार्यकाल बिहार के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में लिखा जाएगा, जिसने बिहार के विकास के सभी पहलुओं को आकार दिया। विधायक, सांसद, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के रूप में अपने लंबे करियर में उनका कुर्ता कभी कलंकित नहीं हुआ।

उनका पूरा जीवन भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों तक उन्होंने बिहार की प्रगति में हर तरह से महत्वपूर्ण योगदान दिया, और उन्हीं के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोदी की सभी पहलें बिहार की जनता तक पहुंचीं। उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर राज्यसभा सांसद के रूप में दिल्ली लौट रहे हैं। मैं और हमारे सभी एनडीए सहयोगी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं

जो लोग 'चुप्पी' पर सवाल उठा रहे थे, उन्हें भारत ने अपने अंदाज में सख्त जवाब दे दिया है

हम आपको बता दें कि खामेनेई की मृत्यु के बाद ईरान सरकार ने अपने सर्वोच्च नेता की कथित शहादत के सम्मान में चालीस दिन के सार्वजनिक शोक और सात दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। देश भर में धार्मिक सभाएं और स्मरण कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली एजेंसी: ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार यह सवाल उठ रहे थे कि भारत की प्रतिक्रिया क्यों सामने नहीं आयी है? कई दिनों तक चली इस चर्चा के बीच भारत ने अपने अंदाज में इस सवाल का जवाब दे दिया है। हम आपको बता दें कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी आज नयी दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास पहुंचे और शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर खामेनेई की मौत पर भारत सरकार की ओर से संवेदना व्यक्त की। इस कदम को भारत की औपचारिक प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। हम आपको बता दें कि खामेनेई की मृत्यु के बाद ईरान सरकार ने अपने सर्वोच्च नेता की कथित शहादत के सम्मान में चालीस दिन के सार्वजनिक शोक और सात दिन के सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। देश भर में धार्मिक सभाएं और स्मरण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में नयी दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया था जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी पहुँचे थे। उधर पश्चिम एशिया के कई शहरों में सुरक्षा स्थिति लगातार बिगड़ती दिखाई दे रही है। गुरुवार को दोहा और मनामा में कई विस्फोटों की आवाजें सुनी गयीं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि

विस्फोट शहरों के केंद्रीय क्षेत्रों के करीब होते हुए महसूस किये गये। कुछ लोगों ने आकाश में गतिविधियां देखे जाने की भी सूचना दी, खासकर उन इलाकों के आसपास जहां पहले अमेरिका के दूतावास को खाली कराया गया था। संयुक्त अरब अमीरात ने भी हमलों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। देश के रक्षा मंत्रालय के अनुसार वायु रक्षा प्रणाली ने तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक रोक दिया। इसके अलावा कुल 129 ड्रोन का पता लगाया गया जिनमें से 121 को हवा में ही नष्ट कर दिया गया जबकि आठ देश की सीमा के भीतर गिर गये। मंत्रालय ने बताया कि ईरान की आक्रामक गतिविधियों की शुरूआत से अब तक संयुक्त अरब अमीरात की ओर कुल 189 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गयीं, जिनमें से 175 को नष्ट कर दिया गया, 13 समुद्र में गिरीं और एक मिसाइल देश की सीमा के भीतर आ गिरी। रक्षा मंत्रालय ने यह भी बताया कि अब तक कुल 941 ड्रोन का पता लगाया गया जिनमें से 876 को रोक दिया गया जबकि 65 देश के भीतर गिरे। इसके अतिरिक्त 8 क्रूज मिसाइलों का भी पता लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया गया। इन हमलों के कारण कुछ स्थानों पर सीमित नुकसान हुआ और तीन लोगों की मृत्यु की पुष्टि हुई है। मृतकों में पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश के नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 78 लोगों के घायल होने की सूचना है जिनमें अमीरात, मिस्र, सूडान, इथियोपिया, फिलिपीन, पाकिस्तान, ईरान, भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, अजरबैजान, यमन, युगांडा, इरिट्रिया, लेबनान और अफगानिस्तान के नागरिक शामिल हैं। अबू धाबी में एक और घटना सामने आयी जब वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोके गये ड्रोन के मलबे गिरने से छह लोग घायल हो गये। यह मलबा अबू धाबी औद्योगिक नगर क्षेत्र के दो स्थानों पर गिरा। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन को सफलतापूर्वक रोक दिया गया था, लेकिन उसके टुकड़े गिरने से आसपास के क्षेत्रों में चोट लगने की घटनाएं हुईं। क्षेत्र में बढ़ते खतरे को देखते हुए कतर ने भी सावधानी के कदम उठाये हैं। कतर के गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि अमेरिका के दूतावास के आसपास रहने वाले लोगों को अस्थायी रूप से सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि यह केवल एहतियाती कदम है

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 2

संपादकीय

परमाणु रिसाव हुआ तो...

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर ह्यमेल्टडाउनह्ल हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये ह्यसंहारी संयंत्रह्ल नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं?

अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका-इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद् स्थितियों को भूले नहीं होंगे।

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

डॉ हिदायत अहमद खान

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है।

वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दशार्ता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है।

इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा झूठे दावों का तुरंत खंडन करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह दशार्ता है कि आज के दौर में केवल सैन्य या कूटनीतिक तैयारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सूचना युद्ध से निपटने के लिए भी सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे बड़ा शिकार केवल सैनिक या नागरिक नहीं होते, बल्कि सच भी होता है। जब झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना लिया जाता है, तब वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय न केवल युद्ध को रोकने के प्रयास करे, बल्कि सूचना के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे। तभी दुनिया को झूठ पर गढ़े गए युद्धों और उनके खतरनाक परिणामों से बचाया जा सकेगा।

बंद होते हवाई अड्डेः हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफर करे। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य गरीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दशार्ता है इसी मकसद से उड़ान योजना की शुरूआत की गयी थी। UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से उड़ान योजना के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात गरीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त खबरों के अनुसार 2021 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो जरूर घोषित किया गया है परन्तु अंतर्राष्ट्रीय शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद जरूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फिलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, आजमगढ़ एयरपोर्ट, चित्रकूट एयरपोर्ट, श्रावस्ती एयरपोर्ट, मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग, गुजरात के भावनगर, छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर, ओड़ीसा का राउरकेला, मध्य प्रदेश का दतिया, कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की खबरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफिक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं खराब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल UDAN एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक खर्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया AAI के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र सफेद हाथी बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी जरूरत हो, जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों, हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने, खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो, जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें, क्या ऐसा कदम जनता के पैसों की बबार्दी नहीं है? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना जरुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मकसद इनके संचालन से सत्ता के नजदीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फिलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी। राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है–कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं। बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दशार्ता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तर दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 3

अमरोहा
शुक्रवार 06 मार्च 2026
www.sabkasapna.com
अमरोहा/संभल
हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

धनौरा में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन शिविर का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील धनौरा के ब्लॉक सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ है। यह शिविर 'दीपक संकुल स्तरीय संघ' (CLF) की विजन तृतीय के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। बता दें कि कार्यक्रम के पहले दिन एडीओ ग्रामीण विकास मनोज सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना है।क्लस्टर लेवल फेडरेशन (CLF) के माध्यम से महिलाएं न केवल स्वरोजगार अपना सकती हैं, बल्कि समाज में नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को नई तकनीकों और मिशन की बारीकियों से अवगत कराया।ब्लॉक मिशन मैनेजर (BMM) कुसुम रानी ने मिशन के विजन और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। मुख्य प्रशिक्षक महेश सिंह और डीआरपी राधा ने प्रतिभागियों को संगठनात्मक ढांचे, लेखा-जोखा के रखरखाव और डिजिटल वित्तीय साक्षरता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बताया कि विजन तृतीय का मुख्य उद्देश्य समूहों की पारदर्शिता और कार्यकुशलता में सुधार लाना है।इस प्रशिक्षण शिविर में ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उपस्थित सदस्यों में अध्यक्ष कविता, रीना चौधरी, सचिव गजेंद्री, मुकेश, रीना सैनी, सरस्वती, कुसुम, पूनम चौधरी, सर्वजीत कौर, पूनम वाल्मीकि, प्रेमवती, पूनम देवी, सुनीता, पूजा और दीपा सहित कई अन्य शामिल थीं।चार दिनों तक चलने वाले इस शिविर में महिलाओं को नेतृत्व क्षमता और सूक्ष्म उद्योगों के प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य उन्हें अपने गांव और ब्लॉक स्तर पर विकास की नई दिशा लिखने में सक्षम बनाना है।

विकास खंड अधिकारी के आवास से इनवर्टर-बैटरी चोरी, थाने से 200 मीटर दूर हुई वारदात

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला विकास खंड परिसर में चोरी की वारदात सामने आई है। थाने से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित विकास खंड अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल के सरकारी आवास को निशाना बनाते हुए चोर इनवर्टर और बैटरी उठा ले गए। जानकारी के अनुसार, प्रतिभा अग्रवाल होली की छुट्टी पर अपने घर गई थीं। छुट्टी समाप्त होने के बाद जब वे वापस लौटीं तो आवास का ताला खुला मिला और अंदर लगा इनवर्टर व बैटरी गायब थी। आस-पास के लोगों को भी वारदात की भनक तब लगी जब अधिकारी ने आकर बताया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि घटना स्थल पुलिस थाने से केवल 200 मीटर की दूरी पर है, फिर भी चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रतिभा अग्रवाल ने मामले की लिखित शिकायत थाने में देने की बात कही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फैसलों से शिक्षामित्रों को बड़ी राहत

मानदेय में आठ हजार वृद्धि, पांच लाख कैशलेस इलाज व अंतर्जनपदीय ट्रांसफर की सुविधा पर जताया आभार

संभल(सब का सपना):- आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू तथा माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से मुलाकात कर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया। शिक्षामित्रों ने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए फैसलों से उनके जीवन में बड़ी राहत मिली है। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष श्रीराम सैनी ने बताया कि सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय में आठ हजार रुपये की वृद्धि का निर्णय उनके लिए बड़ी राहत है। लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग की जा रही थी, जिसे अब पूरा किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने शिक्षामित्रों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का भी निर्णय लिया है। इससे शिक्षामित्रों और उनके परिवारों को इलाज के दौरान आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही अंतर्जनपदीय ट्रांसफर की सुविधा को भी शिक्षामित्रों के लिए बड़ी सौगात बताया गया। इससे शिक्षामित्र अपनी पारिवारिक परिस्थितियों के अनुसार दूसरे जिले में स्थानांतरण करा सकेंगे। संगठन के जिला महामंत्री उमेश कुमार सोली ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू और मंत्री गुलाब देवी ने शिक्षामित्रों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि भविष्य में भी शिक्षामित्रों के हित में ऐसे ही निर्णय लिए जाते रहेंगे। इस अवसर पर शफीक अहमद, राजेंद्र सिंह, अंकित कुमार, राजेंद्र पाल, अनेश राघव, महिलाल, राधेश्याम, कमलवीर, मनोज गुप्ता, शाहिद सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षामित्र मौजूद रहे।

गुलाल जुलूस का हुआ आयोजन भाईचारे के साथ निकला जुलूस

संभल(सब का सपना):- हयातनगर थाना क्षेत्र के सराय तरीन में होली के अवसर पर गुलाल जुलूस का भव्य आयोजन किया गया। जुलूस का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी सचिन शर्मा ने रात्रि 9 बजे फीता काटकर किया। उद्घाटन कार्यक्रम में होली आयोजन समिति के नवरत्न वार्ष्णेय, सुमित श्याम, शशांक वार्ष्णेय सहित सहयोगी संजय वार्ष्णेय, मुकेश, नितिन, कल्लू भाई, मुशाहिद, नईम खां, नजर खान तथा पीस कमेटी सदस्य जीशान खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान पीस कमेटी सदस्य जीशान खान ने होली कमेटी के सदस्यों से गले मिलकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। गुलाल जुलूस रात्रि 9:05 बजे शुरू हुआ। जुलूस के दौरान होली कमेटी के सदस्यों ने थाना हयातनगर प्रभारी निरीक्षक का पगड़ी बांधकर स्वागत किया।
जुलूस निर्धारित मार्गों से होता हुआ मृत्युंजय तीर्थ मंदिर सराय तरीन पहुंचा, जहां रात्रि करीब 11 बजे कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

जिला अस्पताल के डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, डीएम से कार्रवाई की मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही का मामला सामने आया है। बहजोई निवासी एक युवक ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि डॉक्टर ने हाथ से गोली निकालने का दावा कर उसे डिस्चार्ज कर दिया, जबकि बाद में कराए गए एक्स-रे में गोली अभी भी हाथ में मौजूद पाई गई। लाइन पार स्टेशन के सामने बहजोई निवासी जयप्रकाश पुत्र पान सिंह ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 2 मार्च की रात मोहल्ले और फैक्ट्री क्वार्टर के कुछ लड़कों ने उसे गोली मार दी थी। घटना के बाद पुलिस ने उसे इलाज के लिए संभल जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। पीड़ित का आरोप है कि डॉक्टर ने उसके हाथ से गोली निकालने की बात कहकर उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। जब उसने डॉक्टर से निकली हुई गोली दिखाने को कहा तो डॉक्टर ने मना कर दिया और कहा कि अस्पताल में निकली हुई गोली नहीं दिखाई जाती।
जयप्रकाश ने बताया कि उसी रात उसके हाथ में असहनीय दर्द होने लगा। अगले दिन उसने निजी तौर पर एक्स-रे कराया, जिसमें उसके हाथ में गोली साफ दिखाई दी। इससे उसे पता चला कि उसके हाथ से गोली निकाली ही नहीं गई थी। पीड़ित ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कर संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अन्य मरीज के साथ इस तरह की लापरवाही न हो।

कुष्ठ रोग खोजी अभियान के संबंध में बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में कुष्ठ रोग खोजी अभियान (एल सी डी सी) के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत डॉ मनमोहन शर्मा द्वारा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट को कुष्ठ रोग खोजी अभियान के प्रमुख बिन्दुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह अभियान 9 मार्च से 23 मार्च 2026 तक जनपद में चलाया जाएगा। अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान करेंगी।टीमें 2 वर्ष से ऊपर के घर के सभी सदस्यों का परीक्षण करेंगी। कुष्ठ रोग की पुष्टि होने पर दवा एमडीटी द्वारा उपचारित किया जाएगा। टीम के कार्य का पर्यवेक्षण सुपरवाइजर द्वारा किया जाएगा। उन्होंने खोजी दल के सदस्य एवं उनके कार्यों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में एक आशा एवं एक पुरुष फील्ड लेविल वर्कर या पुरुष स्वयं सेवक तथा नगरीय क्षेत्र में आंगनबाड़ी/महिला स्वयं सेवक तथा एक पुरुष स्वयं सेवक खोजी दल के सदस्य होंगे। खोजी दल द्वारा पूंछे जाने वाले प्रश्न तथा खोजी दल द्वारा की जाने वाली हाउस मार्किंग। खोजी टीम के प्रशिक्षण तथा पर्यवेक्षक के लिए निर्देश आदि पर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आशाओं के पिछले भुगतान के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को भुगतान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि संदिग्ध की पहचान को लेकर ग्राम कुल की मदद ली जाए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि कोई भी केस छुपा न रहे इसपर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वे को गम्भीरता से किया जाए माइक्रो प्लान अच्छे ढंग से बनाने को लेकर भी निर्देशित किया। दवाओं की उपलब्धता एवं एम ओ आई सी की सजगता को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत मलेरिया उन्मूलन को लेकर भी चर्चा की गयी। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज बिश्नोई द्वारा मलेरिया से संबंधित प्रमुख जानकारी प्रदान की गयीं। मलेरिया ट्रीटमेन्ट कार्ड की उपलब्धता को लेकर भी जानकारी प्रदान की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज बिना,सीएचसी चंदौसी प्रभारी डॉ हरविंदर सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

होली के जश्न पर विवाद में मारपीट और पथराव, जातीय झड़प में 6 पर केस दर्ज

सिंभावली/हापुड़ (सब का सपना) बाबर अली:- रंगों और उमंग के त्योहार होली पर ग्राम सिखेड़ा नयाबास में उस वक्त माहौल बिगड़ गया, जब दो पक्षों के बीच मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दो पक्षों में पहले तकरार हुई, देखते-ही-देखते तकरार पथराव और हाथापाई में बदल गई। झड़प में कई लोग घायल हो गए। किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो तेजी से वायरल हो गया और क्षेत्र में तनाव फैल गया। सूचना मिलते ही सिंभावली थाना पुलिस मौके पर पहुँची और हालात को नियंत्रित किया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पथराव, मारपीट और जातिसूचक शब्दों के उपयोग के आरोप में 6 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और एससी-एसटी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द होगी।

भदौरा में धूमधाम से मना होली मिलन समारोह, राष्ट्र सेवा और नशा मुक्ति का लिया संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ग्राम भदौरा में राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा के आवास पर राष्ट्र सेवी संगठन के तत्वावधान में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और ग्रामीणों और युवाओं ने शिरकत की। समारोह का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना और भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। होली का दिन आपसी मतभेद भुलाकर संबंधों को पुनर्स्थापित करने का है। होली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश कृष्ण कुमार शर्मा ने होली के पौराणिक और आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है।
कृष्ण कुमार शर्मा ने हिरण्यकश्यप, भक्त प्रह्लाद और होलिका की कथा सुनाते हुए कहा कि किस प्रकार अहंकार और बुराई की प्रतीक होलिका अग्नि में जलकर भस्म हो गई, जबकि ईश्वर पर अटूट विश्वास रखने वाले प्रह्लाद सुरक्षित रहे। उन्होंने जोर दिया कि हमें अपने भीतर की बुराइयों को जलाकर प्रेम के रंग अपनाने चाहिए। शर्मा ने उपस्थित युवाओं और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि होली के पावन अवसर पर इच्छा के विरुद्ध किसी के रंग न लगाएं , आपत्ति जनक गाने न बजाएं। उन्होंने कहा कि त्योहारों की पवित्रता नशे के कारण भंग हो रही है। उन्होंने समाज से अपील की कि वे नशे जैसी कुरीतियों को त्यागकर स्वस्थ और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों और ग्रामीणों ने हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं नशा छोड़ेंगे, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महिपाल सिंह प्रांत गन्ना मंत्री भारतीय किसान संघ, करन सिंह सभापति सहकारी संघ कुंदरकी भूड़, कुंवर पाल सिंह, ऋषि पाल सिंह,राजकुमार सिंह, जयवीर सिंह, सतपाल सिंह,समरपाल सिंह, जयवीर सैनी, नवीन सिंह, राहुल सिंह, परवीन सिंह, नितिन कुमार, अतुल शर्मा विवेक,चंद्रशेखर,आदि मौजूद रहे।

गजरौला,धनौरा व बछरायूं थाना परिसर में धूमधाम के साथ मनाया होली मिलन समारोह

धनौरा अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला,धनौरा व बछरायूं थाना परिसरों में पुलिसकर्मियों द्वारा होली मिलन समारोह बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आम जनता द्वारा होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के एक दिन बाद गुरुवार को जनपद के गजरौला ,धनौरा और बछरायूं थानों में पुलिसकर्मी फागुन के रंगों में सराबोर नजर आए। कानून व्यवस्था और सुरक्षा के अपने दायित्वों को बखूबी निभाने के बाद, पुलिसकर्मियों ने डीजे की धुन पर थिरकते हुए और एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली का जश्न मनाया। इसी क्रम में गजरौला थाना परिसर में पुलिस कर्मियों ने होली मिलन के जश्न को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान सभी पुलिस कर्मियों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर एवं मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनाएं दी। वहीं इस मौके पर वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने डीजे की धुन पर जमकर डांस भी किया। मंडी धनौरा थाना परिसर में होली का उत्सव बेहद जोशपूर्ण रहा। थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने अपनी टीम का उत्साह बढ़ाते हुए खुद भी डीजे की धुन पर जमकर नृत्य किया। उन्होंने अधीनस्थ कर्मचारियों को गुलाल लगाकर पर्व की बधाई दी और कहा कि त्योहारों पर ड्यूटी के तनाव को कम करने के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक हैं।इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने भी होली के गीतों पर शानदार नृत्य किया। उत्सव के माहौल में पद का भेद मिटाकर सभी एक रंग में रंगे नजर आए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सतीश कुमार, राजेन्द्र सिंह, विकास चौधरी, शिवम, कुलदीप कुमार और मोनिका तोमर सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।उधर, बछरायूं थाने में भी होली का रंग जमकर बरसा। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को रंग-अबीर लगाकर गले लगाया और सुख-समृद्धि की कामना की। थाना प्रभारी ने डीजे पर बज रहे होली गीतों पर पुलिसकर्मियों के साथ कदमताल की, जिससे पूरा थाना परिसर उत्साह से भर उठा।बछरायूं में आयोजित इस जश्न के दौरान विकास त्यागी, सुनील कुमार, सुनील यादव, बेताब जावला, अनुज कुमार और विपिन तोमर ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहने वाले हाथों में जब पिचकारी और गुलाल आया, तो हर चेहरा खुशी से खिल उठा। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस के इस मानवीय और खुशमिजाज पहलू की सराहना की।

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 4

रंगों की फुहार और भाईचारे के संदेश के साथ धूमधाम से मनाया गया होली पर्व

मेम्बर कलवा कुरैशी ने होली जुलूस पर फूलों की वर्षा कर पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में होली पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत ढंग से होली के जुलूस निकाले गए। हुलियारों ने एक दूसरे पर जमकर रंग और गुलाल लगाया। डीजे पर होली के गीत बजाकर जमकर थिरके। बच्चों , युवाओं और बुजुर्गो ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान गंगा जमुना तहजीब भी देखने को मिली मेम्बर कलवा कुरैशी ने होली जुलूस पर फूलों की वर्षा कर स्वागत कर मिसाल पेश की। बुधवार को सुबह से ही गलियों और चौपालों में रंगों की बौछारें शुरू कर हुलियारों ने एक-दूसरे पर रंग गुलाल लगाया। डीजे पर होली के गीतों पर जमकर डांस किया। दोपहर बाद बैंडबाजे और ढोल के साथ नगर में होली का जुलूस निकाला गया। जुलुस नगर के मोहल्ला चिरंजीलाल से प्रारंभ होकर

किला, गौहर अली खां, होली चौक, मेन बाजार, सब्जी मंडी, बस स्टैंड तथा कोतवाली से होते हुए वापस होली चौक पर पहुंचकर संपन्न हुआ। होली जुलूस जैसे ही मोहल्ला बेगम सराय स्थित मेम्बर कलवा कुरैशी के आवास के समीप पहुंची तो कलवा कुरैशी ने अपनी टीम के साथ फूलों की वर्षा कर स्वागत किया हिंदू भाइयों को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि त्योहार आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने का माध्यम होते हैं। हवाओं में नफरत का कितना भी जहर घुल जाए, लेकिन हम अपने क्षेत्र की गंगा-जमुनी तहजीब को कमजोर नहीं होने देंगे। अफजलगढ़ की पहचान आपसी एकता और सद्भाव से है, अफजलगढ़ क्षेत्र की गंगा जमुना तहजीब कायम है जिसे हर हाल में बनाए रखा जाएगा। वही पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट, समाजसेवी कासिफ अंसारी, किसान नेता आमिर पठान व समाजसेवी रिजवान अंसारी ने फूलों की वर्षा कर होली जूलूस का स्वागत किया। उनके इस कदम की नगरवासियों ने सराहना की। होली के अवसर पर पूरे क्षेत्र में सौहार्द,उत्साह और पारंपरिक संस्कृति की झलक देखने को मिली रंगों के इस पर्व ने एक बार फिर साबित किया कि अफजलगढ़ की पहचान आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता से है। जिसे हर वर्ग मिलकर आगे बढ़ा रहा है। इस अवसर पर होली जुलूस स्वागत समारोह में मेम्बर कलवा कुरैशी के आलावा पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट, पत्रकार प्रेस परिषद बिजनौर शाखा के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार धस्माना, पत्रकार शुऐब कुरैशी, बाबा शाह आलम भंडारी, समाजसेवी हाजी अब्दुल बारी, डॉ सलमान सैफी, शानू अली, रियासत कुरैशी आदि मौजूद रहे। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से अफजलगढ़ थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी, अफजलगढ़ कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार, महिला सब इंस्पेक्टर रीनू पंवार, कांस्टेबल विशाल मलिक, कांस्टेबल रजनीश कुमार फौजी, कांस्टेबल अरूण कुमार, कांस्टेबल कलीम अहमद सहित अन्य पुलिस बल तैनात रहा। होली जुलूस में इस अवसर पर होली समिति के अध्यक्ष नीरव रस्तोगी के आलावा पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, समाजसेवी संदीप महेश्वरी, राहुल शर्मा जीएम, समाजसेवी निर्मल चिलवाल, होली समिति के अध्यक्ष पिंटू जोशी, पूर्व सभासद दीपक कुमार, समाजसेवी राजेंद्र सिंह, भाजपा युवा नेता भीम सिंह रावत, मेम्बर उमेश अग्रवाल, सना गुप्ता, समाजसेवी नीरज कर्णवाल, अंकित विश्नोई, पत्रकार सुनील नारायण, पत्रकार सुनील कुमार, पंडित ललित जोशी, शरद गुप्ता, रंजीत पंवार, राहुल जोशी आदि मौजूद रहे।

गाने-बजाने को लेकर पड़ोसियों में विवाद, तमंचा लहराने का वीडियो वायरल, युवक गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- शहर के मोहल्ला काजीपाड़ा में गाने-बजाने को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक हाथ में तमंचा लहराते हुए दिखाई दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी युवक को तमंचे सहित गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला काजीपाड़ा में देर रात गाने-बजाने को लेकर दो पड़ोसियों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के युवक ने हाथ में तमंचा लेकर धमकाना शुरू कर दिया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच पत्थरबाजी भी हुई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना का वीडियो मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में युवक हाथ में तमंचा लहराते और लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को तमंचे सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सड़क किनारे घायल अवस्था में मिला गुलदार, ग्रामीणों की लगी भीड़

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम भनौटी के पास सड़क किनारे एक गुलदार घायल अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गुलदार को देखने के लिए मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों के अनुसार गुलदार सड़क किनारे घायल हालत में पड़ा मिला। आशंका जताई जा रही है कि आपसी संघर्ष में गुलदार

घायल हुआ होगा। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। वन विभाग की टीम ने बताया कि गुलदार को अपने कब्जे में लेकर उसका उपचार कराया जाएगा। गुलदार के घायल होने के कारणों की जांच की जाएगी।

टी-20 विश्वकप क्रिकेट का उत्साह, सेमीफाइनल में भारत की जीत के लिए मां गंगा की आरती कर की कामना

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर युवाओं ने भारतीय क्रिकेट टीम का बढ़ाया मनोबल

—वाराणसी, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में गंगा नदी की निर्मलता के लिए लोगों को जागरूक करने वाले नमामि गंगे के सदस्यों ने गुरूवार को टी-20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत के लिए मां गंगा की आरती की। सामाजिक कार्यकताओं ने भारतीय क्रिकेटरों की तस्वीर और राष्ट्रध्वज के साथ शंखनाद कर भारतीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। दरअसल, टी-20 विश्वकप क्रिकेट प्रतियोगिता में भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। सेमीफाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम का मजबूत टीम इंग्लैंड के साथ आज खेला जाएगा गुरुवार को ललिता घाट प्रातः नमामि गंगे के सदस्यों के भारत माता की जय, चक दे इंडिया, जीतेगा भाई जीतेगा-हिन्दुस्तान जीतेगा,

बढ़ते चलो के गगन भेदी उद्घोष से गूंज उठा। सेमीफाइनल में इंग्लैंड की टीम पर भारतीय टीम की जीत के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर नमामि गंगे के सदस्यों ने बाबा विश्वनाथ से भारतीय टीम की जीत के लिए कामना की। सदस्यों के साथ माताओं, बहनों, बुजुर्गों, युवाओं ने मिलकर टीम इंडिया के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर राजेश शुक्ला ने कहा कि अगर भारत को फाइनल का टिकट चाहिए, तो इंग्लैंड के खिलाफ साधारण नहीं, बल्कि खास प्रदर्शन करना होगा। भारत के 140 करोड़ लोगों की कसौटी पर मेहनत से खरा उतरना होगा । श्री काशी विश्वनाथ और मां गंगा से प्रार्थना है कि भारतीय क्रिकेट टीम सेमीफाइनल में विजयी होकर फाइनल में पहुंचे । प्रार्थना और उत्साहवर्धन के दौरान मनीष शर्मा, निशि गर्ग, उत्कर्ष केसरी, संजय गर्ग, अमन आदि उपस्थित रहे।

नूरपुर चांदपुर मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर, अज्ञात वाहन की टक्कर से टेंपो चालक घायल

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नूरपुर चांदपुर मार्ग पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक अज्ञात वाहन ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो चालक घायल हो गया, जबकि टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नूरपुर के मोहल्ला हजरतनगर निवासी अशफाक टेंपो लेकर चांदपुर से नूरपुर की ओर आ रहा था। जैसे ही वह आदेपुर और पुलिस चौकी के बीच पहुंचा, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए अज्ञात

वाहन ने उसके टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में जा घुसा। गनीमत यह रही कि हादसे के समय टेंपो में कोई सवारी मौजूद नहीं थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि टेंपो चालक अशफाक को चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। घायल चालक ने अपने परिजनों को फोन कर सूचना दी, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए अपने साथ ले गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि नूरपुर चांदपुर मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों की वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद ऐसे वाहन चालकों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर गति नियंत्रण और निगरानी बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

आजमगढ़ में दो मुठभेड़ में 2 घायल गोतस्कर समेत चार गिरफ्तार

आजमगढ़, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में गौतस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बीती रात पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिले के निजामाबाद और फूलपुर थाना क्षेत्रों में पुलिस और गौतस्करों के बीच दो अलग-अलग मुठभेड़ हुई। दोनों घटनाओं में पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर समेत चार गौतस्करों को गिरफ्तार कर लिया, जिसमे से दो तस्कर गोली लगने से घायल हो गए। इनके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, चापड़, मोबाइल और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पहली मुठभेड़ निजामाबाद थाना क्षेत्र में हुई जब देर रात पुलिस रंगभरी होली के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि गौवध निवारण अधिनियम के मुकदमे में वांछित अभियुक्त मेराज अपने साथी नासिर के साथ बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल से छुट्टा पशुओं की तलाश में नेवादा की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने नेवादा

पुल के पास घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार वहां पहुंचे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा किए जाने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दिया। पुलिस ने कई बार आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन बदमाश फायरिंग करते रहे। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें मेराज के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल मेराज को नेवादा पुल के पास झाड़ियों से गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया, जबकि उसका साथी नासिर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से अवैध तमंचा, कारतूस, मोबाइल, 840 रुपये नगद और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। सीओ सदर आस्था जायसवाल ने बताया कि गिरफ्तार मेराज एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है और उसके खिलाफ गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट, गैंगेस्टर समेत 17 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दूसरी मुठभेड़ फूलपुर थाना क्षेत्र में हुई। जब होली की रात पुलिस को सूचना मिली कि मुडियार गांव के पास पुलिया के निकट कुछ संदिग्ध लोग किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश आमिर के बाएं पैर में गोली लग गई, जबकि उसके दो साथी साकिब और युसुफ को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस, दो चापड़ और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सीओ फूलपुर किरन पाल सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सुनसान स्थानों पर गौवंश पकड़कर उनका अवैध वध करते थे और मांस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर ऊंचे दामों पर बेचते थे। घटना के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए अवशेषों को नदी या नालों में फेंक देते थे। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि फरार आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

स्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुले पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन

नई दिल्ली (सब का सपना):- स्त्री शिक्षा और सामाजिक न्याय की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की स्मृति को समर्पित तीन दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन स्मृति और संघर्ष : सावित्रीबाई फुले का आयोजन 9 से 11 मार्च 2026 तक किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन सृजन साहित्य संवाद द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर के साहित्यकार, कवि और चिंतक सावित्रीबाई फुले के विचारों, स्त्री मुक्ति के प्रश्नों और समकालीन सामाजिक सरोकारों पर चर्चा करेंगे। सम्मेलन के पहले दिन 9 मार्च 2026 को शाम 7 बजे सावित्रीबाई फुले की स्मृति में काव्य पाठ का आयोजन होगा। इस सत्र में, कावेरी, कुसुम डाबी, वंदना टेटे,

ज्योत्स्ना किट्टी भोई और सूक्ष्म कयाला अपनी कविताओं का पाठ करेंगी और अध्यक्षता आशालता काम्बले करेंगी। दूसरे दिन 10 मार्च 2026 को शाम 7 बजे पुनः काव्य पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नेहा नरूका, कविता कर्मकार, ममता जयंत और सुरेखा पैठने शामिल होंगी। इस सत्र का संचालन डॉ. अर्वतिका सिंह करेंगी, जबकि अध्यक्षता लेखिका अनिता भारती करेंगी। सम्मेलन के तीसरे और अंतिम दिन 11 मार्च 2026 को शाम 7 बजे ऑनलाइन परिचर्चा आयोजित की जाएगी। परिचर्चा का विषय सावित्रीबाई फुले और स्त्री मुक्ति के सवालह्व रखा गया है। इस सत्र की अध्यक्षता कुसुम त्रिपाठी करेंगी तथा भाषा सिंह, प्रो. रेखा रानी, कल्याणी ठाकुर, अनिता भारती और रजनी अनुरागी आमंत्रित वक्ता के रूप में अपने विचार रखेंगे।

कार्यक्रम की संयोजक अनिता भारती के अनुसार इस सम्मेलन का उद्देश्य सावित्रीबाई फुले के शिक्षा, समानता और स्त्री अधिकारों के विचारों को समकालीन संदर्भ में समझना और व्यापक समाज तक पहुँचाना है। सम्मेलन ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से साहित्य और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी महिलाएं भाग लेंगी।

दुकान बंदी के समय शराब देने से मना करने पर सेल्समैन पर हमला, आंख में गंभीर चोट

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- दुकान बंद होने के समय शराब देने से मना करना एक सेल्समैन को महंगा पड़ गया। कुछ अज्ञात लोगों ने कथित रूप से उसके साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में दुकान स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शराब ठेका स्वामी मनोज कुशल पुत्र राजेंद्र कुशल निवासी गीता नगरी, बिजनौर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई अमित कुमार की एक कंपोजिट शराब दुकान कुड़ी, नहटौर चौराहा नगीना में स्थित है। आरोप है कि 1 मार्च की रात करीब 9:58 बजे, जब दुकान बंद होने का समय था, तभी कुछ अज्ञात लोग दुकान पर पहुंचे और जबरन शराब व अन्य सामान देने की मांग करने लगे।

दुकान पर कार्यरत सेल्समैन मोहित चौधरी ने शासन द्वारा निर्धारित बंदी समय का हवाला देते हुए शराब देने से मना कर दिया। इस पर आरोपित लोग कथित रूप से आक्रोशित हो गए और सेल्समैन के साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि इसके बाद वे उसे दुकान से बाहर खींच ले गए और बेरहमी से मारपीट की। मारपीट के दौरान मोहित चौधरी की आंख पर गंभीर चोट आई, जिससे उसकी दृष्टि पर भी गंभीर असर पड़ा है। इसके अलावा शरीर पर भी कई चोटें आई हैं। घायल की हालत गंभीर होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद रात में ही बेहतर इलाज के लिए बाहर के अस्पताल में रेफर किया गया।

तहरीर में यह भी बताया गया है कि घटना की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध है, जिसमें आरोपियों द्वारा कथित मारपीट और विवाद की स्थिति देखी जा सकती है। पुलिस का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

नगीना में उल्लास व भाईचारे के साथ मना होली पर्व, पारंपरिक जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न

नगीना /बिजनौर (सब का सपना):- नगर में रंगों का पर्व होली उल्लासपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। होली के अवसर पर निकलने वाले सभी पारंपरिक जुलूस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल सम्पन्न हुए। नगर में सुबह से लेकर दोपहर तक रंग, गुलाल और उत्साह का माहौल बना रहा। होली पर्व पर नृसिंह भगवान समिति के तत्वावधान में मंगलवार रात्रि लगभग 8 बजे मोहल्ला चौधराना स्थित देवता मंदिर से हवन-पूजन के बाद नृसिंह देवता का भव्य जुलूस निकाला गया। बैंड-बाजों, ढोल-ताशों और आकर्षक झांकियों के साथ निकला यह जुलूस नगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए रात्रि लगभग 12 बजे स्टेशन रोड पहुंचकर संपन्न हुआ। इसके बाद

बुधवार को दुल्हंडी के अवसर पर सुबह 7 बजे हवन-पूजन के उपरांत हवन होली रंग-गुलाल समिति के तत्वावधान में सूखे रंग का जुलूस निकाला गया। बैंड-बाजों और ढोल-ताशों के साथ निकले इस जुलूस में शामिल लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हुए होली की शुभकामनाएं देते चले। यह जुलूस भी नगर के मुख्य बाजारों से होता हुआ स्टेशन रोड पहुंचकर समाप्त हुआ। सूखे रंग के जुलूस के बाद दोपहर करीब 12 बजे मोहल्ला चौधराना देवता मंदिर से ही गीले रंग का पारंपरिक जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में नगर के विभिन्न मोहल्लों की रंगों से सजी बुग्गियां शामिल रहीं। जुलूस में शामिल हुलियारे एक-दूसरे को रंगों से सराबोर करते हुए होली के उल्लास में डूबे नजर आए। गीले रंग का यह जुलूस भी नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए अपराह्न लगभग 3 बजे स्टेशन रोड पहुंचकर संपन्न हुआ। सभी जुलूसों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नगरवासियों ने भाग लेकर होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। जुलूसों का नेतृत्व आयोजक मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

वहीं सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। एसडीएम, सीओ और थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ पूरे समय मौजूद रहे, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 5

यमुनानगर में नहर में मिला युवती का शव, एक बाजू पर राजेश तो दूसरी पर लिखा मिला दिव्या

यमुनानगर : यमुनानगर जिले के पुराना सहारनपुर रोड स्थित फतेहपुर पुल के नीचे पश्चिम नहर में युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव पानी में पड़ा होने की सूचना मिलते ही बुढ़िया थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी बुढ़िया सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि फतेहपुर पुल के नीचे नहर के पानी में एक युवती का शव दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकलवाया गया। युवती की एक बाजू पर ह्यराजेशह्न और दूसरी बाजू पर दिव्या नाम लिखा हुआ मिला है, जो पहचान का अहम सुराग माना जा रहा है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। प्रभारी ने बताया कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। आसपास के क्षेत्रों के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा गुमशुदगी के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवा दिया है। साथ ही आस-पास के थानों को भी सूचना भेजी गई है ताकि महिला की पहचान जल्द से जल्द हो सके। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को महिला के बारे में कोई जानकारी हो तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

गन्ने के खेत में मिला प्रवासी युवक का शव, दाईं बाजू पर अंग्रेजी में लिखा हुआ है अर्जुन

बराड़ा : साहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव दिनारपुर के पास बुधवार दोपहर एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ बस अड्डे के समीप एक गन्ने के खेत में एक युवक का लहूलुहान शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के निवासी अर्जुन के रूप में हुई है, जिसकी धारदार हथियार से वार कर हत्या की गई है। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला बुधवार दोपहर करीब 3:00 बजे प्रकाश में आया, जब होली के पर्व के दौरान गांव के ही एक निवासी गुरजिंदर सिंह ने सरपंच प्रतिनिधि राकेश कुमार को खेत में शव पड़े होने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही राकेश कुमार मौके पर पहुंचे और तत्काल साहा थाना पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब शव का मुआयना किया, तो पाया कि युवक औंधे मुंह गिरा हुआ था। उसे सीधा करने पर शरीर पर गहरे जख्म मिले। पुलिस के अनुसार, युवक की छाती और पेट के बाईं ओर चाकू से वार किए गए थे, जो इतने घातक थे कि शरीर के आंतरिक अंग बाहर निकल आए थे। घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर सड़क किनारे एक काले रंग की साइकिल (पोलो गैलस मार्का) भी बरामद हुई है, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। मृतक की दाईं बाजू पर अंग्रेजी में अर्जुन लिखा हुआ है और दिल का टैटू बना है। दाहिने हाथ की कलाई पर ॐ का निशान गुदा हुआ है।प्रारंभिक जांच और स्थानीय पूछताछ के बाद मृतक की पहचान अर्जुन, पुत्र भल्ला, निवासी जिला किशनगंज, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है।घटना की गंभीरता को देखते हुए अंबाला से 'सीन ऑफ क्राइम' टीम को मौके पर बुलाया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी, घास-फूस और अन्य भौतिक साक्ष्य एकत्र किए हैं। डिजिटल साक्ष्यों के लिए पुलिस ने ई-साक्ष्य प्रणाली का भी उपयोग किया। शव को कब्जे में लेकर अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। प्रथम दृष्टया यह आपसी रंजिश के कारण की गई हत्या का मामला प्रतीत होता है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है

गोहाना में रूह कंपा देने वाली वारदात, युवकों ने सोती हुई महिला पर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

गोहाना : गोहाना के बरोदा थाना के अंतर्गत आने वाले गांव कथुरा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बुजुर्ग महिला को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। आग की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिसे पहले गोहाना के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हालत गंभीर होने पर रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुजुंग महिला के बेटे सोनू ने बताया कि कल फाग की रात उसकी 65 वर्षीय मां राजो देवी बरामदे में खाट पर रजाई ओढ़कर सो रही थी। आरोप है कि रात करीब 11:45 बजे पड़ोस के 8-10 युवक कांच की बोतल में पेट्रोल लेकर आए और सो रही महिला की रजाई व खाट के नीचे पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।आग लगते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिवार के सदस्य और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। आग की लपटों से राजो देवी गंभीर रूप से झुलस गईं। उन्हें तुरंत गोहाना के अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। दोनों पक्षों के बीच पहले से थी पुरानी रंजिश पीड़ित परिवार के अनुसार गांव की चौपाल में बच्चों की पढ़ाई के लिए एक लाइब्रेरी बनाई गई है। करीब चार साल पहले होली के दिन कुछ युवक शराब पीकर चौपाल पर डांस कर रहे थे। उस समय बच्चों की पढ़ाई को देखते हुए उन्हें वहां से जाने के लिए कहा गया था। इसी बात को लेकर कहासुनी और गाली-गलौज हो गई थी, जिसके बाद से दोनों पक्षों के बीच रंजिश चली आ रही थी। कुछ युवकों ने पुरानी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलते ही बरोदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि घायल महिला और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल महिला की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज रोहतक पीजीआई में चल रहा है।

पिता की आंखों के सामने मासूम ने तोड़ा दम...पानीपत में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आया 5 साल का अजीत

पानीपत : पानीपत शहर के सेक्टर 25 पार्ट-1 स्थित औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार शाम भीषण सड़क हादसे में 5 वर्षीय मासूम की जान चली गई। जहां तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए 5 साल के बच्चे को कुचल दिया। बच्चा दुकान से सामान लेकर वापिस लौट रहा था, उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बच्चे को सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद टैक्टर-ट्रॉली बच्चे के ऊपर से गुजर गई। लहूलुहान हालत में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर आरोपी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार भी कर लिया है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के सीतापुर के राजू वर्तमान में सेक्टर-25 स्थित प्लॉट नंबर 45 में रहते हैं और फील्ड व साफ-सफाई का काम करते हैं। राजू ने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे वह अपनी फैक्ट्री के गेट पर खड़े थे। उनका 5 वर्षीय बेटा अजीत सिंह दुकान पर सामान लेने गया था इसी दौरान गंदा नाला की तरफ से एक नीला सोनालिका ट्रैक्टर तेज रफ्तार में आया। ट्रैक्टर ड्राइवर ने लापरवाही बरतते हुए बच्चे को सीधी टक्कर मारी, जिससे वह सड़क पर गिर गया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, ट्रैक्टर के पीछे बंधी ट्रॉली बच्चे के ऊपर से उतर गई। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया, जिसकी पहचान मनोज पुत्र सतपाल निवासी आसन कलां के रूप में हुई पीड़ित पिता तुरंत अपने घायल बेटे को लेकर सरकारी अस्पताल पानीपत पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। राजू के दो लड़के और एक लड़की थी, जिनमें से अजीत अब इस दुनिया में नहीं रहा। मृतक अजित के पिता ने न्याय की गुहार लगाई है।

पानीपत में पहचान की गलतफहमी ने ली युवक की जान, हमलावरों ने सरेआम किया कत्ल

पानीपत : पानीपत शहर में होली खेल रहे युवकों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े में युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। विवाद कमेंट पास करने को लेकर शुरू हुआ था। एक बार मामला शांत करा दिया गया, लेकिन कुछ देर बाद ही कई युवक इकट्ठा होकर आए और फिर झगड़ा करने लगे। इसी बीच हमलावरों ने एक युवक को दूसरे गुट का समझकर घेर लिया। पहले उसकी पिटाई की गई, फिर ईंटों से वार कर हत्या कर दी गई। इसके बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने खून से लथपथ युवक को उठाकर एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुराना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस के साथ सीआईए (सीआईए) यूनिट और साइबर टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस के हाथ सीसीटीवी फुटेज लगी है, जिसमें यह पूरी वारदात कैद हो गई है। पुलिस इसी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। परिजनों ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

गलत दिशा में आई थार ने छीन ली एक जिंदगी

गुड़गांव,(ब्यूरो): सुशांत लोक थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार थार ने एक बाइक सवार की जिंदगी छीन ली। थार गलत दिशा में जा रही थी और सामने से जा रहे बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। वहीं, लोगों का आरोप है कि जब पूरे घटनाक्रम का वीडियो उन्होंने बनाया तो पुलिसकर्मी भड़क गए और उनके मोबाइल से वीडियो भी डिलीट करा दिए। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में होडल के रहने वाले अशोक बघेल ने बताया कि उनका भाई मुकेश बघेल सेक्टर-44 में पेट्रोल पंप से बाइक लेकर किसी कार्य से सेक्टर-44 व्यापार केंद्र की तरफ जा रहा था। सुशांत लोक की तरफ जाते वक्त जब वह व्यापार केंद्र के पास पहुंचा तो यहां तेजी से गलत दिशा में आ रही बिना नंबर की थार गाड़ी ने उनके भाई की बाइक को टक्कर मार दी जिसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना में उनका भाई उछलकर काफी दूर जा गिरा और लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।वहीं, लोगों ने आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया।

हिसार से इन 2 स्थानों के लिए शुरू होगी उड़ान

हिसार : खबर आ रही है कि हरियाणा के इकलौते महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से जल्द ही दो और स्थानों के लिए फ्लाइट शुरू हो सकती है। अभी एयरपोर्ट से चार स्थानों के लिए सेवाएं चल रही हैं। जिसमें दिल्ली, अयोध्या, चंडीगढ़ और जयपुर शामिल है। अब हरियाणा सरकार जल्द ही अहमदाबाद और जम्मू के लिए फ्लाइट शुरू कर सकती है। समर शेड्यूल में दोनों फ्लाइट की घोषणा हो सकती है। इसी महीने एविएशन कंपनी एलायंस एयर अपना शेड्यूल जारी करेगी।
पहले अहमदाबाद और इसके बाद जम्मू के लिए फ्लाइट शुरू होगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को हिसार एयरपोर्ट पर इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट रूल्स (आईएफआर) के तहत विमान संचालन की डीजीसीए से मंजूरी मिल गई है।
इसके साथ ही अब हिसार एयरपोर्ट से न सिर्फ दिन बल्कि रात के समय और खराब मौसम में भी उड़ानों का संचालन संभव हो सकेगा। अब तक हिसार एयरपोर्ट पर केवल विजुअल फ्लाइट रूल्स (वीएफआर) के तहत दिन में ही विमान उड़ान भर सकते थे, लेकिन नई मंजूरी के बाद एयरपोर्ट की ऑपरेशनल क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है।
उम्मीद जताई जा रही है। अहमदाबाद या जम्मू की फ्लाइट को रात्रि समय में शुरू किया जा सकता है।

सिंचाई विभाग के रिश्वतखोर जेई व कंप्यूटर ऑपरेटर को 4-4 साल की सजा

गुड़गांव, (ब्यूरो): भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई करते हुए एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एवं सेशन जज सुनील चौहान की अदालत ने सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता नवीन कुमार यादव तथा कंप्यूटर ऑपरेटर चंद्रशेखर को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोनों को 4-4 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर 5-5 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है।जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने एचईडब्ल्यूपी के ठेकेदारी लाइसेंस के रजिस्ट्रेशन के लिए विभाग में आवेदन किया था। इस लाइसेंस को जारी करने की ऐवज में नवीन कुमार यादव ने शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। यह राशि विभाग में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अंतर्गता लगे कंप्यूटर ऑपरेटर चंद्रशेखर ने ली थी जिसे एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारियों ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया था।इस मामले में एसीबी ने 16 दिसंबर 2022 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 व भारतीय दंड संहिता की 120बी के तहत केस दर्ज किया था। मामले में दोनों ही आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया था। मामले की सुनवाई अदालत में चली जहां अब सबूतों व गवाहों के आधार पर अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई है।

कांग्रेस के बाद अब निर्दलीय की एंट्री ! निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल ने भरा नामांकन

चंडीगढ़ : हरियाणा में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। 9 अप्रैल को खाली हो रही 2 राज्यसभा सीटों पर नॉमिनेशन का आज लास्ट डे है। इन राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होना है। इसी कड़ी में सतीश नांदल गुरुवार को हरियाणा विधानसभा सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान सतीश नांदल के साथ निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल, देवेंद्र कादियान और राजेश जून भी विधानसभा सचिवालय पहुंचे। इन विधायकों की मौजूदगी को राज्यसभा चुनाव के समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सतीश नांदल राज्यसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। उनके नामांकन से राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। हरियाणा में राज्यसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है और विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतार रहे हैं। ऐसे में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर सतीश नांदल का नामांकन चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। विधानसभा सचिवालय में नामांकन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि राज्यसभा चुनाव में किस उम्मीदवार को कितने विधायकों का समर्थन मिलता है।सतीश नांदल हरियाणा के एक राजनीतिक नेता और व्यवसायी हैं, जो मुख्य रूप से रोहतक जिले की राजनीति में सक्रिय माने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने हरियाणा से राज्यसभा चुनाव के लिए निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। सतीश नांदल मूल रूप से रोहतक जिले के गढ़ी-सांपला-किलोई क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। वे पहले इंडियन नेशनल लोकदल (आईएनएलडी) में रहे और पार्टी में जिला अध्यक्ष व राष्ट्रीय प्रवक्ता जैसे पदों पर भी रहे। साल 2019 में उन्होंने भाजपा (बीजेपी) जॉइन की और बाद में संगठन में सक्रिय भूमिका निभाई। भाजपा संगठन में उन्हें हरियाणा का प्रदेश उपाध्यक्ष भी बनाया गया था।वे तीन बार गढ़ी-सांपला-किलोई विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं, जहां उनका मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा से हुआ। पेशे से वे निर्माण (कंस्ट्रक्शन) कारोबार से जुड़े व्यवसायी भी बताए जाते हैं। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के दौरान सतीश नांदल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया, और इस दौरान उनके साथ निर्दलीय विधायक Savitri Jindal देवेंद्र कादियान और राजेश जून भी विधानसभा पहुंचे।

बहादुरगढ़ नंदीशाला में गौवंश की दुर्दशा: खुले में पड़े मिले शव, कुत्तों के नोंचने का वीडियो वायरल

बहादुरगढ़ : गौवंश की देखरेख के दावे करने वाले हुक्मरानों के दावों की पोल बहादुरगढ़ में खुल गई है। खेल विभाग की जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई नंदीशाला में गौवंश की लगातार मौत हो रही है। लोगों का आरोप है कि कई कई दिन तक मृत गौवंश खुले में पड़ा रहता है। खुल्ले गड्ढे में मृत गौवंश और कुत्तों को एकसाथ डाला जाता है । मृत गौवंश के शवों से उठती बदबू के कारण लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। रात के समय बदबू से परेशान लोग नंदीशाला में पहुंचे तो हैरान करने वाले हालात देखकर दंग रह गए। लोगों ने मृत गौवंश का वीडियो बनाकर वायरल भी किया। लोगों कहना है कि ये खेल विभाग की जमीन है और यंहा अवैध तरीके से नंदीशाला बनाई गई है। नंदीशाला में मृत गौवंश का अंतिम संस्कार समय पर नही किया जाता जिसके कारण बदबू से लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है। महिलाओं और वार्ड पार्षद ने नंदीशाला को हटाकर खेल स्टेडियम का विस्तार और नवनिर्माण करने की मांग की है। कॉलोनी के लोगों की सुबह नंदीशाला के संचालको के साथ जमकर बहस हुई। महिलाओं ने जमकर खरी खोटी भी सुनाई। संचालको ने भी माना कि नंदीशाला के लिए कोई लिखित अनुमति नही है केवल 2022 में एसडीएम रहे अनिल यादव की मौखिक अनुमति से नंदीशाला खोली गई थी। वंही मृत गौवंश के संदर्भ में गौधन सेवा समिति के प्रधान और नगर परिषद की चेयरपर्सन के पति रमेश राठी ने कहा कि होली के कारण कर्मचारी छुट्टी पर थे जिसके कारण अंतिम संस्कार नही हो पाया। लेकिन अब विधिवत अंतिम संस्कार किया गया है। उन्होंने कहा कि कुत्तो और गौवंश का अंतिम संस्कार अलग अलग ही किया गया है और नंदीशाला से बाहर जाखौदा गांव के पास उनका अंतिम संस्कार किया गया है।गौधन सेवा समिति ही नंदीशाला का संचालन करती है और बीमार पशुओं के इलाज के लिए नंदीशाला में हॉस्पिटल भी चला रही है। साथ में हर चारे के व्यापार भी नंदीशाला से हो रहा है जंहा हरा चारा 6 रुपए किलो के हिसाब से बेचा जाता है। लेकिन अहम बात ये है कि नंदीशाला की जमीन सरकार की है। खेल स्टेडियम के लिए रिजर्व है बावजूद इसके एक अधिकारी ने अवैध तरीके से यंहा नंदीशाला बनवा दी और अब वँहा के हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग नंदीशाला लो शिफ्ट करने की मांग कर रहे हैं।ऐसे में प्रशासन और सरकार पर खेल स्टेडियम के लिए रिजर्व जमीन को खाली करवाने और नंदीशाला को शिफ्ट करने की जिम्मेदारी आ पड़ी है। देखते हैं कि क्या लोगों के विरोध के बाद खेल स्टेडियम की जमीन खाली होगी ।

गोहाना में पलट गई यात्रियों से भरी बस, 20 से 25 यात्री थे सवार, चीख-पुकार से गूंजा इलाका

गोहाना : गोहाना में गोहाना-जुलाना रोड पर बनवासा गांव से आगे छपरा मोड़ के पास हरियाणा रोडवेज की एक बस पलट गई। बताया जा रहा है कि बस का अचानक संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। हादसे के समय बस में करीब 20 से 25 यात्री सवार थे। हालांकि इस दुर्घटना में यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। मिली जानकारी के अनुसार बस गोहाना से जुलाना की ओर जा रही थी। इसी दौरान छपरा मोड़ के पास बस का संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे और यात्रियों को बस से बाहर निकाला। हादसे में कुछ यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए गोहाना के अस्पताल लाया गया है।घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं बस के चालक और परिचालक ने बताया कि हम गोहाना से जुलाना बस को लेकर जा रहे थे रास्ते में छपरा से बस लेकर जैसे चले तो रास्ते में अचानक नील गाय आ गई उसे बचाने के प्रयास में बस पलट है। वहीं बस में उस समय पंद्रह से बीस सवारी थी, बहुत बचाव हो गया। कुछ को दूसरी बस में बैठा दिया, जबकि जो घायल हुए उन्हें हॉस्पिटल भेज दिया गया।

एंटी करप्शन ब्यूरो ने पकड़ा एमसीजी का रिश्वतखोर हेल्पर

गुड़गांव, (ब्यूरो): बादशाहपुर थाना एरिया में निमार्णाधीन मकान का कार्य सुचारू रूप से चलने देने की ऐवज में 40 हजार रुपए की रिश्वत ले रहे नगर निगम के एक हेल्पर को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने काबू कर लिया है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 व भारतीय न्याय संहिता की धार 1308(2) के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत देकर बताया था कि उसके मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। उसे नगर निगम के कुछ कर्मचारी निमार्णाधीन मकान को तोड़ने की धमकी दे रहे थे। मकान न तोड़ने की ऐवज में उन्होंने 50 हजार रुपए की मांग की थी। काफी बातचीत के बाद उसने 40 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। इसकी जानकारी पीड़ित ने एंटी करप्शन ब्यूरो को देकर टीम के साथ पूरा जाल बिछाया। इसके बाद जब शिकायतकर्ता नगर निगम के हेल्पर को 40 हजार रुपए दे रहा था तो ब्यूरो की टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ काबू कर लिया। आरोपी की पहचान गांव पलड़ा निवासी कपिल के रूप में हुई। टीम आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पंचायत उप-चुनाव की तैयारियां पूरी, मतदाता सूची के लिए 9 मार्च तक दर्ज होगी आपत्ति

गुड़गांव, (ब्यूरो): राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जिला में पंचायत उप-चुनाव 2026 के तहत मतदाता सूची तैयार की जा रही है। भविष्य में जिला की 11 पंचायतों तथा सोहना पंचायत समिति में एक वार्ड में उप-चुनाव करवाए जाने हैं। मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन 02 मार्च को किया जा चुका है। 09 मार्च तक दावे व आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं।जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अजय कुमार ने बताया कि पंचायती राज संस्थानों की वोटर लिस्ट तैयार करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम जारी किया गया है। 19 फरवरी से 28 तक वार्ड अनुसार वोटर लिस्ट का प्रारूप तैयार किया गया। इसके उपरांत 2 मार्च को प्रारूप वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रकाशित वोटर लिस्ट से सम्बंधित दावे और आपत्तियां 9 मार्च तक दर्ज की जाएगी, जिनका निपटारा 12 मार्च तक होगा। अपील दायर करने की अंतिम तारीख 16 मार्च है, और अपील का निपटारा 19 मार्च तक होगा। अंतिम वोटर लिस्ट 27 मार्च को प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी, ताकि पंचायत चुनाव निष्पक्ष और सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। निर्धारित समय तक अगर किसी ने अपनी आपत्ति तथा दावे दर्ज नहीं करवाए तो उसके बाद किसी भी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी।यहां होंगे उपचुनाव
पटौदी ब्लॉक में गांव बासपदमका में सरपंच पद के लिए, गुरुग्राम ब्लॉक के गांव माकड़ौला में वार्ड 9, फर्रूखनगर ब्लॉक में गांव अलमदी में वार्ड 9, झांझरोला खेड़ा में वार्ड 2 में पंच पद के लिए उपचुनाव होंगे। इसी प्रकार सोहना ब्लॉक में पंचायत समिति मेंबर के लिए वार्ड 5 तथा पंच पद के लिए गांव बादशाहपुर ठेठर में वार्ड संख्या 3, बिल्हाका में वार्ड संख्या 6, खूँटपूरी में वार्ड संख्या 7, महेंद्रवाडा में वार्ड संख्या 3, रानीका सिंघोला में वार्ड संख्या 6, रिठोज में वार्ड संख्या 14 तथा सहजावास के वार्ड 1 में उपचुनाव होने हैं।

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 6

दिल्ली में 15 घंटे में आग की 4 बड़ी घटनाएं, 3 की मौत और करोड़ों का नुकसान; कई घंटों तक जूझी फायर ब्रिगेड

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पिछले करीब 15 घंटों के भीतर आग लगने की चार बड़ी घटनाओं ने एक बार फिर शहर की फायर सेफ्टी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उत्तरी दिल्ली के व्यस्त कारोबारी इलाके सदर बाजार में पहली घटना हुई, जिसके बाद रिठाला, महिपालपुर और मेहरौली-बदरपुर रोड पर भी आग की घटनाएं समाने आईं। इन हादसों में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोगों का सामान और संपत्ति जलकर राख हो गई। सदर बाजार में खिलौनों के गोदाम में लगी आग, दो लोगों की मौत उत्तरी दिल्ली के रॅं१ इं९१ स्थित बारा टूटी चौक के पास बुधवार शाम चार मंजिला इमारत में भीषण आग लग गई। शुरूआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, जिसके बाद चौथी मंजिल पर रखे प्लास्टिक के खिलौनों में आग फैल गई। करीब 20 दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू किया। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन इमारत की तलाशी के दौरान दो जले हुए शव बरामद हुए। आशंका है कि इमारत में काम करने वाले श्रमिक वहां रहते भी थे। घटना के दौरान मौके पर भीड़ उग्र हो गई और दमकलकर्मियों पर पथराव कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हो गए और दमकल की एक गाड़ी का शीशा टूट गया। रिठाला मेट्रो के पास झुग्गियों में आग, 100 से ज्यादा झोपड़ियां जलीं दूसरी घटना उत्तर-पश्चिम दिल्ली के Rithala Metro Station के पास हुई, जहां देर रात झुग्गियों में

आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और 100 से अधिक झुग्गियां जलकर राख हो गईं। दमकल विभाग की 20 से अधिक गाड़ियों ने करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में एक युवती की मौत हो गई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। महिपालपुर में कपड़ों के वेयरहाउस में लगी आग तीसरी घटना दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के Mahipalpur इलाके के रंगपुरी में सामने आई, जहां कपड़ों के एक वेयरहाउस में आग लग गई। यह गोदाम विभिन्न स्थानों पर कपड़ों का सामान भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। सुबह करीब 10:20 बजे आग लगने की सूचना दमकल विभाग को मिली, जिसके बाद 9 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी करीब चार घंटे तक आग बुझाने में जुटे रहे। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन गोदाम में रखा सामान जलने से भारी नुकसान की आशंका है। मेहरौली-बदरपुर रोड पर बस में आग चौथी घटना दक्षिणी दिल्ली के महरौली-बदरपुर रोड पर हुई, जहां गुरुवार सुबह एक बस में अचानक आग लग गई। शुरूआती जानकारी के अनुसार आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। देखते ही देखते पूरी बस आग की चपेट में आ गई और जलकर खाक हो गई। हालांकि चालक और परिचालक की सतर्कता से सभी यात्रियों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। फायर सेफ्टी व्यवस्था पर उठे सवाल लगातार सामने आ रहीं आग लगने की घटनाओं के बाद राजधानी में फायर सेफ्टी, अवैध वायरिंग, ओवरलोडेड बिजली कनेक्शन और फायर एनओसी की स्थिति पर सवाल उठने लगे हैं। खासकर घनी आबादी वाले बाजारों, गोदामों और झुग्गी बस्तियों में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की समस्या बार-बार सामने आती रही है। दमकल विभाग और पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी घटनाओं की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर कई मामलों में शॉर्ट सर्किट को कारण माना जा रहा है, जबकि कुछ जगहों पर अवैध वायरिंग और ज्वलनशील सामग्री के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद जहां भी लापरवाही सामने आएगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जेएनयू वीसी के बयान पर गहराया विवाद, टीचर्स एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र; कुलगुरु को हटाने की मांग

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलगुरु प्रो. शांतिश्री धुलीपुडी पंडित के जाति संबंधी बयान को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जेएनयू टीचर्स एसोसिएशन (जेएनयूटीए) ने इस मामले को गंभीर बताते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर सरकार का रुख स्पष्ट करने की मांग की है। शिक्षकों के संगठन ने कहा कि कुलगुरु के बयान से उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति और सामाजिक न्याय को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। जेएनयूटीए के अध्यक्ष सुरजीत मजूमदार और सचिव मीनाक्षी सुंदरीयाल की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि एक मीडिया संगठन द्वारा प्रसारित पॉडकास्ट में कुलगुरु ने जाति और उसके भारतीय समाज में महत्व को लेकर टिप्पणी की थी। जेएनयूटीए ने सरकार से रुख स्पष्ट करने की भी मांग की संगठन का कहना है कि यह बयान बेहद चौंकाने वाला है और इससे विश्वविद्यालय के माहौल पर भी असर पड़ सकता है। पत्र में यह भी कहा गया कि यदि केंद्र सरकार कुलगुरु के विचारों से सहमत नहीं है तो उसे स्पष्ट रूप से अपना रुख सामने रखना चाहिए। संगठन ने आरोप लगाया कि सरकार की चुप्पी से यह संदेश जा रहा है कि वह इस मुद्दे को लेकर गंभीर नहीं है। जेएनयूटीए ने कहा कि कुलगुरु को हटाने की मांग पहले भी तीन बार की जा चुकी है। संगठन के अनुसार सितंबर और नवंबर 2025 में भी इस संबंध में प्रतिनिधित्व किया गया था, जिसमें विश्वविद्यालय प्रशासन पर सामाजिक और लैंगिक न्याय से जुड़े मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया था।

दिल्ली के संगम विहार में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस बनी आग का गोला, ड्राइवर की सूझबूझ से बाल-बाल बचे यात्री

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के महरौली-बदरपुर रोड पर गुरुवार दिन में शॉर्ट सर्किट की वजह से डीटीसी की ई-बस में आग लगने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार जिस वक्त आग लगी उस वक्त बस में कई यात्री सवार थे। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से सभी यात्रियों को समय रहते सकुशल बाहर निकाल लिया गया। देखते ही देखते पूरी बस आग का गोला बन गई। घटना के चलते इस रोड पर जाम भी लगा जिसे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने खुलवा दिया है और अब यहां यातायात सामान्य है। क्या है मामला दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार बत्रा हॉस्पिटल बस स्टैंड (बत्रा अस्पताल का स्टैंड) के पास गुरुवार दोपहर डीटीसी की एक इलेक्ट्रिक बस में अचानक आग लग गई। डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस (रजिस्ट्रेशन नंबर डीएल 51 ईवी 8595) से अचानक धुआं निकलता देख चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया।

दिल्ली-एनसीआर में 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा, महसूस होगी हल्की ठंड; 9 मार्च को बादल देंगे दस्तक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आने वाले पांच दिनों तक मौसम मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के जिला-वार पूवार्नुमान के अनुसार 5 से 9 मार्च के बीच दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहेगा, जबकि 9 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाने की संभावना है। हवा चलने से महसूस होगी हल्की ठंड मौसम विभाग के अनुसार इस अवधि में दिल्ली के उत्तर, उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, मध्य और पूर्वी जिलों के साथ ही नई दिल्ली क्षेत्र में भी लगभग समान मौसम रहने की संभावना है। दिन के समय 15 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलेंगी, जो कभी-कभी झोंकों के साथ 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में भी छाएंगे बादल पूवार्नुमान में गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद सहित पूरे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में भी इसी तरह का मौसम रहने की बात कही गई है। इन जिलों में भी अगले चार दिन तक आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जबकि पांचवें दिन यानी 9 मार्च को आंशिक बादल छाने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए किसी विशेष चेतावनी की घोषणा नहीं की है। हालांकि तेज हवाओं के चलते दिन में हल्की ठंडक महसूस हो सकती है। विभाग ने लोगों को स्थानीय मौसम की सटीक जानकारी के लिए ह्यमौसमह्न ऐप का उपयोग करने की सलाह दी है।

एअर इंडिया जेद्दा से दिल्ली-मुंबई उड़ानें फिर से शुरू करेगा, दुबई के लिए अतिरिक्त बी777 सेवा भी होगी चालू

नई दिल्ली। एयर इंडिया बृहस्पतिवार यानी 5 मार्च से जेद्दा से दिल्ली और मुंबई के लिए अपनी निर्धारित (शेड्यूल्ड) उड़ान सेवाएं फिर से शुरू कर सकता है। एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि वह मध्य पूर्व में विकसित हो रही स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। एअर इंडिया के मुताबिक वर्तमान परिस्थितियों का सावधानीपूर्वक आकलन करने के बाद मध्य पूर्व के लिए हमारी अधिकांश उड़ानें 5 मार्च की रात 11:59 बजे तक निलंबित रहेंगी। हालांकि, 5 मार्च से जेद्दा से आने-जाने वाली निर्धारित उड़ानें शुरू करने की योजना है। 28 फरवरी से हवाई सेवा है प्रभावित एयरलाइन के अनुसार, इस क्रम में जेद्दा से मुंबई के लिए दो उड़ानें और दिल्ली के लिए एक उड़ान संचालित की जाएंगी। गौरतलब है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के कारण मध्य पूर्व के हवाई क्षेत्र में लगाए गए प्रतिबंधों से 28 फरवरी से उड़ान सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हुई हैं। एअर इंडिया ने बताया कि फंसे हुए यात्रियों को वापस लाने के लिए दुबई और जेद्दा से कुछ उड़ानें संचालित की जा रही हैं, जिनमें यात्रियों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। दुबई में फंसे यात्रियों को वापस लाने की योजना इसके अलावा, एयरलाइन ने मुंबई-दुबई-दिल्ली मार्ग पर अधिक क्षमता वाले बी777 विमान से एक अतिरिक्त सेवा संचालित करने की भी योजना बनाई है

लिव-इन रिलेशनशिप पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- कानूनी न होकर भी एक तरह से विवाह के समान

नई दिल्ली। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले दो वयस्कों को पुलिस सुरक्षा देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकताओं का लिव-इन रिलेशनशिप एक तरह से विवाह के समान है, हालांकि कानूनी रूप से नहीं। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की पीठ ने कहा कि आखिरकार, भारत में विवाह तभी मान्यता प्राप्त है जब यह दो सहमति देने वाले व्यक्तियों के बीच हो, फिर चाहे उनकी जाति, पंथ, रंग, धर्म या आस्था कुछ भी हो। अदालत ने कहा कि लिव-इन में रहने वाले वयस्क पारिवारिक सदस्यों की धमकियों और हस्तक्षेप से पुलिस सुरक्षा पाने के हकदार हैं। कोर्ट ने इस बात को दोहराया कि संविधान के अनुच्छेद-19 व 21 के तहत जीवनसाथी चुनने का अधिकार है। कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणियां कोर्ट ने उक्त टिप्पणी के साथ याचिकाकताओं की याचिका को

स्वीकार कर लिया। याचिकाकर्ता ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर महिला के पिता से मिल रही धमकी से सुरक्षा की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि दोनों वयस्क हैं और सहमति से 2024 से रिलेशनशिप में हैं और अभी साथ रह रहे हैं। यह भी बताया कि 17 फरवरी को दोनों के बीच एक लिव-इन रिलेशनशिप अनुबंध भी किया था और युवति के पिता इस रिश्ते से खुश नहीं थे और धमकियां दे रहे थे। अदालत ने कहा कि दोनों वयस्क हैं और उन्हें अपनी पसंद या इच्छा के अनुसार अपने-अपने पार्टनर को चुनने और उनके साथ रहने का पूरा अधिकार है। रिश्ते को मान्यता देने के लिए कपल ने किया है अनुबंध अदालत ने कहा कि अपने रिश्ते को मान्यता देने के लिए दोनों याचिकाकताओं ने 17 फरवरी 2026 को अपनी मर्जी से एक लिव-इन रिलेशनशिप अनुबंध किया है। ऐसे में स्वजन से लेकर रिश्तेदार या दोस्त को ऐसे रिश्ते में दखल देने या धमकी देने का कोई अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा, भले ही याचिकाकर्ता कानूनी तौर पर शादीशुदा नहीं हैं और लिव-इनरिलेशनशिप में हैं, लेकिन, चूंकि वे दोनों बालिग हैं और अपनी मर्जी से एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में आने का फैसला किया है तो किसी को उन्हें धमकी देने का अधिकार नहीं है।

इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकताओं से कहा कि वे संबंधित थाना के एसएचओ या संबंधित बीट कांस्टेबल से संपर्क कर सकते हैं और पुलिस कानून के अनुसार उन्हें जरूरी मदद उपलब्ध कराएगा। यह भी कहा कि अगर याची अपना घर बदलते हैं तो उन्हें तीन दिनों के अंदर संबंधित एसएचओ को बताना होगा, ताकि सुरक्षा बढ़ाई जा सके।

दिल्ली में होली पर अंडा फेंकने को लेकर खूनी विवाद, युवक को चाकू मारा

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर थाना क्षेत्र में होली के जश्न के बीच मंगलवार को मामूली कहासुनी अचानक खूनी झगड़े में बदल गई। अंडा फेंकने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घायल की पहचान 27 वर्षीय रिहान के रूप में हुई है। घायल हालत में उसे पहले जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल उसका इलाज जारी है। रंगों की होली खेलते-खेलते खून से रंगे हाथ जानकारी के मुताबिक सीलमपुर के जे-ब्लॉक इलाके में रिहान और कुछ युवक आपस में रंग खेल रहे थे। इसी दौरान अंडे फेंकने को लेकर रिहान और उसके परिचित शादाब के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोप है कि गुस्से में आकर शादाब ने चाकू निकालकर रिहान पर वार कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह घायल रिहान को संभाला। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित शादाब को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में चोर गिरोह का पदार्फाश, दो नाबालिगों सहित तीन गिरफ्तार; अब खुलेंगे बड़े राज

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका साउथ थाना पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय एक शातिर चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिगों समेत तीन आरोपितों को पकड़ा है। पकड़े गए वयस्क आरोपित की पहचान रोहित उर्फ टमाटर के रूप में हुई है, जो पालम थाने का एक घोषित अपराधी है और उस पर पहले से ही 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने आरोपितों के कब्जे से चोरी किया गया भारी मात्रा में सामान बरामद किया है, जिसकी बाजार में कीमत करीब दो लाख रुपये आंकी गई है। बरामद चेरी के सामानों में 09 किलो कापर वायर, कापर और पीतल के 229 छोटे-बड़े टुकड़े, एलपीजी गैस फिटिंग के विभिन्न उपकरण शामिल है। पुलिस के अनुसार, बीती 14 फरवरी को द्वारका साउथ इलाके में एक आफिस स्टोर की लोहे की ग्रिल तोड़कर सामान चोरी होने की सूचना मिली थी। शिकायत मिलने पर एसएचओ राजेश कुमार साह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। वहीं, जांच के दौरान टीम ने इलाके के 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी छानबीन के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपित बागडोला गांव में छिपा हुआ है। पुलिस ने तुरंत छापामारी कर तीनों आरोपितों को धर दबोचा। नशे के लिए करते थे चोरी पूछताछ के दौरान आरोपितों ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि वे अपनी नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए कीमती धातुओं और उपकरणों की चोरी करते थे। मुख्य आरोपित रोहित उर्फ टमाटर की गिरफ्तारी से पुलिस ने क्षेत्र में चोरी की कई वारदातों के सुलझने का दावा किया है।

मिडिल ईस्ट में संकट के बीच घर लौट रहे यात्रियों ने कहा, खूब सुनाई दे रहे धमाके; बहरीन का हाल सबसे बुरा

नई दिल्ली। मध्यपूर्व में विभिन्न जगहों पर फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी जारी है। इस क्रम में बुधवार व बृहस्पतिवार को करीब दो दर्जन उड़ानें नई दिल्ली पहुंचीं। ये उड़ानें फुजैराह, शारजाह, मस्कट, दुबई से पहुंची। इनसे पहुंचे यात्री जब एयरपोर्ट से बाहर निकल रहे थे, तब इनके चेहरे पर जितनी खुशी थी, उससे कहीं ज्यादा इनके स्वजन इनकी वापसी से खुश थे। सबसे ज्यादा खराब स्थिति बहरीन की सभी का कहना था कि मध्यपूर्व में जिस तरह अभी चरम तनाव की स्थिति है, उसे देखते हुए अपने घर में होना सबसे बेहतर व सुरक्षित बात है। इनका यह भी कहना था कि हमलोग खुश हैं कि हमारी वतन वापसी हुई, लेकिन अभी भी बड़ी तादाद में लोग एयरपोर्ट पर फंसे हैं, भारत सरकार को इन यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए एक विशेष आपरेशन चलाना चाहिए। यात्रियों का कहना है कि फिलहाल सबसे ज्यादा खराब स्थिति बहरीन की है। यहां खूब धमाके हो रहे हैं। इमारतों में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। लोग डरे हुए हैं। दम्माम व फुजैराह से पहुंचे कई लोग दुबई से लौटे राहुल सक्सेना ने वहां की स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि वहां दहशत का माहौल है। बम बरस रहे हैं। धमाके सुनाई देते हैं। सरकार जितनी जल्दी हो, सबको वहां से

निकाल ले, उतना ही बेहतर होगा। उधर, बहरीन में तीन दिन फंसे रहने के बाद किसी तरह दम्माम से नई दिल्ली पहुंचे शेर अली बताते हैं कि बहरीन में हम जिस होटल में रुके, वहां आसपास खूब बम बरस रहे थे। डर का माहौल था। हम खुशनसीब थे कि हम निकल गए और दम्माम से हमें उड़ान मिल गई। दिल्ली पहुंचने पर गजब का सुकून मिला इसी तरह लंदन से बहरीन में कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने के बाद वहां तीन दिन फंसे रहने वाले यात्री अमर बताते हैं कि एयरपोर्ट के आसपास हुए हमले की आवाज हमें सुनाई दे रही थी। एक इमारत को तो हमलोगों ने आग में धू धूकर जलते देखा। आप समझ सकते हैं कि वहां की स्थिति कैसी होगी, हमारे मन में क्या हो रहा होगा। किसी तरह हम बहरीन से दम्माम पहुंचे और अब नई दिल्ली पहुंचने पर गजब का सुकून मिल रहा है। एक यात्री जो रोमानिया से गल्फ एयर की उड़ान बहरीन पहुंचे। यहां से इनकी कनेक्टिंग फ्लाइट थी, जो रद हो गई। अबू धाबी की उड़ानें बार-बार रद हो रहीं इसके बाद गल्फ एयर वालों ने इन्हें होटल में ठहराया। लेकिन वहां के हालात ऐसे थे कि रातों को नींद नहीं आती थी। अंत में ये फुजैराह से नई दिल्ली पहुंचे। फुजैराह से दिल्ली पहुंचे एक यात्री ने बताया कि कल अमेरिकी दूतावास पर हुए हमले के बाद हम डरे हुए थे। दुबई और अबू धाबी की उड़ानें बार-बार रद हो रही थीं, इसलिए हमने फुजैराह का रास्ता चुना। हम भारत सरकार और एयरलाइंस के शुक्रगुजार हैं जो हमें वापस लाने में मदद कर रहे हैं। जितना बताया जा रहा है उतनी स्थिति नहीं है खराब दुबई से नई दिल्ली पहुंचे कुछ यात्री ऐसे भी थे, जिन्होंने कहा कि दुबई में डर व दहशत का माहौल उतना नहीं है, जितना बताया जाता है। कार्यालय खुले हैं, लोग रोजाना कार्यालय जा रहे हैं। सुरक्षा का शानदार प्रबंध है। वहां जितना हमलोगों को डर नहीं लग रहा, उससे ज्यादा भारत में रहने वाले हमारे स्वजन डरे हैं। दीपिका इब्राहिम नामक यात्री ने बताया कि बस घरवालों के कहने और उनकी खुशी के लिए वह भारत लौटी हैं।

मिडिल ईस्ट संकट: भारतीयों के लिए सबसे बड़ा आसरा बना दुबई एयरपोर्ट, प्रमुख ट्रांजिट हब वेटिंग रूम में तब्दील

नई दिल्ली। मध्यपूर्व में गहराते संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मध्यपूर्व के विभिन्न देशों से लौट रहे यात्रियों से बातचीत के आधार पर मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि विभिन्न एयरपोर्ट पर हजारों की तादाद में भारतीय यात्री फंसे हुए हैं। स्थिति यह है कि कई प्रमुख ट्रांजिट हब अब वेटिंग रूम में तब्दील हो गए हैं। एतिहाद एयरवेज की उड़ानें रद हो रहीं सबसे ज्यादा भारतीय यात्री दुबई एयरपोर्ट पर फंसे हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह इसका सबसे बड़ा ट्रांजिट हब होना है। यहां से कनेक्टिंग और लांग-हाल उड़ानें होती है, जो रद हो रही हैं। इसके बाद अबुधाबी का स्थान है। यहां से भी बड़ी संख्या में एतिहाद एयरवेज की उड़ानें रद हो रही हैं। दोहा में भी बड़ी संख्या में यात्री फंसे हैं। ईरान-लेबनान एयरस्पेस बंद होने से कतर एयरवेज की उड़ानें रद हो रही हैं। कुवैत और मस्कट एयरपोर्ट पर इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा उड़ानों को रद किए जाने के कारण

बड़ी संख्या में लोग फंसे हैं। पिछले 24 घंटे की ही बात करें तो सिर्फ भारतीय कैरियर्स की 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं। एयरपोर्ट ही बना सबका घर दुबई से नई दिल्ली पहुंचे एक यात्री ने बताया कि एयरपोर्ट पर कई यात्री ऐसे हैं जो पिछले 30 घंटों से टर्मिनल पर हैं। कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही कि इनकी उड़ान कब प्रस्थान करेगी। खाने और आराम की जगह कम पड़ रही है। वहीं, कई यात्रियों को दुबई और अबू धाबी के बजाय फुजैराह और दम्माम जैसे छोटे एयरपोर्ट्स की ओर डायवर्ट किया जा रहा है, जिससे भ्रम की स्थिति और बढ़ गई है। स्पाइसजेट ने शुरू की विशेष उड़ानें स्पाइसजेट में मध्यपूर्व संकट के बीच अपनी विशेष उड़ानें शुरू की हैं। पांच मार्च को स्पाइसजेट ने कुल 13 उड़ानों का संचालन किया। ये उड़ानें फुजैराह से मुंबई व नई दिल्ली के लिए रवाना हुईं। इनमें पांच उड़ानें नई दिल्ली के लिए रहीं। इससे पूर्व यानि चार मार्च को 12 विशेष उड़ानों का संचालन स्पाइसजेट ने किया।

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 7

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर टीम ने चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बड़ी बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी 2025-26 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खिताबी मुकाबले की पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद, जम्मू और कश्मीर ने कर्नाटक को 293 रन पर आउट करके 291 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर ने ओपनर कमरान इकबाल के नाबाद 160 रन और साहिल लोतरा के की शतकीय साझेदारी की सहायता से अपनी दूसरी पारी 4 विकेट प 342 रन बनाकर घोषित कर दी। ये मैच ड्रॉ रहा और पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजयी घोषित किया गया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भी इस सफलता पर टीम की प्रशंसा करते हुए उसे इनाम दिया था।

साचन क बट अजुन का शादा म पारपारक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।

धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के श्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है।

वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।

प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सहीं नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन के नाम हुआ एक एडिशन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड, इन दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में विस्फोटक शतक लगाया। इस शतकीय पारी के दम पर एलन ने न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

फिन एलन ने 33 गेंदों पर 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी के दौरान आठवां छक्का लगाते ही एलन एक विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन इस विश्व कप में अब तक 20 छक्के लगा चुके हैं। एलन ने इसी विश्व कप में 19 छक्के लगाने वाले शिमरोन हेटमायर और 18 छक्के लगाने वाले साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा।

इससे पहले एक विश्व कप में सर्वाधिक छक्का लगाने की उपलब्धि निकोलन पूरन (17 छक्के 2024 विश्व कप में) के नाम थी। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी20 विश्व कप 2024 में 16 और क्रिस गेल ने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। फिन एलन का यह शतक टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने क्रिस गेल के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों पर शतक लगाया था। एलन टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैचों में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान द्वारा 2009 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में बनाए नाबाद 96 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले एलन तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रैंडन मेक्कुलम 2012 में पल्लेकेले में बांग्लादेश के खिलाफ 123 और ग्लेन फिलिप्स 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 104 रन की पारी खेल चुके हैं।

मैच पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के 169 रन बनाए थे। 170 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया। एलन के 33 गेंदों पर 100 रन के अलावा टिम साइफर्ट ने भी 33 गेंदों पर 58 रन बनाए। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सेमीफाइनल की हार टीम पर एक करारा प्रहार : कोच कॉनराड

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकबले में मिली करारी हार पर नाराजगी जतायी है । कोच के अनुसार ये हार उनकी टीम पर एक करारे प्रहार की तरह है । इस हार से एक बार फिर टीम के बड़े मुकाबलों मे दबाव में आने के आरोप लगाने वालों की बात को ही बल मिला है ! । दक्षिण अफ्रीका को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा । कॉनराड ने इस हार को बेहद दर्दनाक बताया है । मैच के बाद कॉनराड ने कहा, इस मैच में हमारी टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई । आपकी गेम में थोड़ी सी भी पकड़ होनी चाहिए पर हमें हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ । यह एक तरह से ऐसा था जैसे चेहरे पर कोई थप्पड़ मारा गया हो । कॉनराड ने कहा, आज रात बहुत कुछ ठीक नहीं हुआ पर शायद ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे बहुत अच्छे थे और उन्होंने हमें कभी अवसर नहीं दिया । मैं हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाऊंगा । हम अच्छे नहीं थे और वे बहुत अच्छे थे । उन्होंने हमें आगे से रोक दिया, हमने विकेट खोये और हमें कोई मौका नहीं मिला । कोच ने कहा, हमारी टीम की गेंदबाजी की कमजो रही जिससे मैच हमारे लिए कठिन बन गया ।वहीं न्यूजीलैंड की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने बहुत, बहुत अच्छा खेला । उन्होंने हमें बिल्कुल अवसर नहीं दिया और सच में बहुत अच्छा दबाव बनाया । उनके स्पिनर बहुत अच्छे रहे ।गौरतलब है कि ग्रुप स्तर में न्यूजीलैंड को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा ।

ऑल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन । भारत के लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है । लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया । लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया । लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया । इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया । लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया । दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की । उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे । यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये ।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

-पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है । इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे । ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा । इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे । ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है । इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है । इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे । वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे । क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे । सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए । उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है ।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है । चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है ।

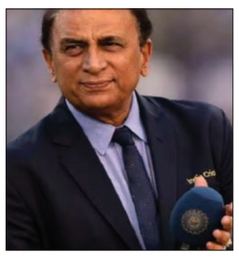

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि, वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया। वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हारारे लौटेगी।' 'ज़िम्बाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हारारे जा रहा है।'

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर । मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है । पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था । इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है । पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं । दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है । इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है । एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी ।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है । वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है । बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है ।

ऑल इंग्लैंड ओपन में सात्विक-चिराग पहले ही राउंड में बाहर

बर्मिंघम । भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई से सीधे गेम में हारने के बाद ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में बाहर हो गई । यूटिलिटा एरिना बर्मिंघम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में चौथी रैंक वाली भारतीय जोड़ी दुनिया की 33वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से 23-21, 21-12 से हार गई । सात्विक-चिराग ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया । 2024 के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन कांग और एरॉन फिर आगे निकल गए और भारतीयों जोड़ी के दो मैच पॉइंट बचाने के बावजूद, आखिरकार टाई-ब्रेक में गेम अपने नाम कर लिया । दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को जारी रखते हुए मलेशियाई जोड़ी ने गेम पर अपना दबदबा बनाया । और सिर्फ पांच और पॉइंट देकर मैच आराम से जीत लिया । इस हार के साथ ही इस मशहूर टूर्नामेंट में भारत का पुरुष युगल में अभियान भी समाप्त हो गया ।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

आमिर के बयान पर कैफ का करारा जवाब

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

'खबरों में बने रहने की कोशिश'

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

2024 टी20 वर्ल्ड कप की हार का भी किया जिक्र

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर भी बोले कैफ

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

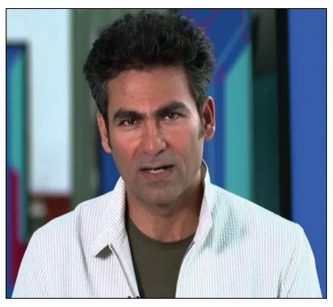

भारतीय फैंस को दी खास सलाह

कैफ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को सलाह दी कि उन्हें हर बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार छोटी-छोटी बातों को भी बेवजह बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि टीम और फैंस दोनों ही अपना ध्यान खेल और प्रदर्शन पर रखें, क्योंकि यही किसी भी टीम की असली पहचान बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का प्रदर्शन

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोहम्मद कैफ का संदेश साफ है कि भारतीय टीम को बेवजह की बयानबाजी से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक मैदान पर प्रदर्शन ही किसी भी टीम का असली जवाब होता है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

sab ka sapna 06 March 2026:Layout 1 05-03-2026 20:40 Page 8

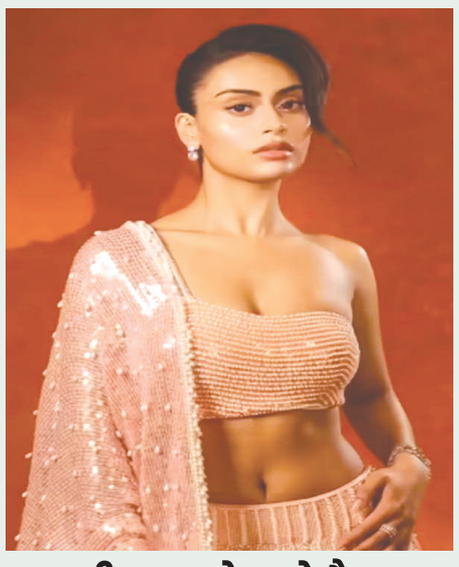

मनीष मल्होत्रा ने तैयार किया नया आउटफिट

अपनी टाइमलेस डिजाइनिंग और बारीक कारीगरी के लिए पहचाने जाने वाले फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में एक नया आउटफिट तैयार किया है। यह ड्रेस फिल्म कभी खुशी कभी गम के लोकप्रिय गाने बोले चूड़ियां में करीना कपूर द्वारा पहने गए आइकॉनिक ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस दो दशक बाद भी पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बनी हुई है और भारतीय शादियों में आज भी इसके लुक को फॉलो किया जाता है। मनीष मल्होत्रा ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के रूप में अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन को चुना। उन्होंने न्यासा की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की, जिसमें वह इस नए आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। मनीष ने पोस्ट में लिखा कि 2001 में रिलीज हुई करण जौहर की फिल्म ने भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा को नई पहचान दी और बोले चूड़ियां गाना आज भी उतनी ही शिद्दत से याद किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्षों से उनके यहां इस गाने से प्रेरित आउटफिट तैयार किए जाते रहे हैं। इन्हें मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के कई ग्राहकों ने पहना है। अब साल 2025-26 के नए कलेक्शन में न्यासा देवगन का यह लुक खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपने करियर को याद करते हुए मनीष ने कहा कि उन्होंने 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों के लिए डिजाइन किए गए उनके कई लुक बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बने और अलग-अलग पीढ़ियों में नई स्टाइल प्रेरणा बनकर उभरे। इसी वजह से उनके डिजाइन हमेशा टाइमलेस और यादगार माने जाते हैं। फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर का ग्लैमरस किरदार पॉपुलर कल्चर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उनके डांस, डायलॉग और स्टाइलिश आउटफिट आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते हैं।

फिल्म 'अस्सी' ने दर्शकों के दिलों पर छोड़ी गहरी छाप

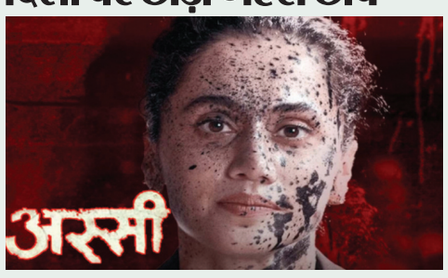

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा की नई फिल्म अस्सी की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत भले ही धीमी रही हो, लेकिन फिल्म ने दर्शकों के दिल पर गहरी छाप छोड़ी है। देशभर में महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न और उससे जुड़ी समाज की जहरीली मानसिकता पर यह फिल्म सीधी चोट करती है। कोर्टरूम ड्रामा, पीड़िता की पीड़ा और न्याय की लड़ाई को जिस बारीकी और संवेदनशीलता से फिल्म में दर्शाया गया है, उसने दर्शकों के साथ-साथ दिग्गज कलाकारों को भी प्रभावित किया है। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि अस्सी न सिर्फ भावनात्मक स्तर पर असर डालती है बल्कि कई जरूरी सवालों के जवाब भी देती है। उनके मुताबिक यह फिल्म समाज की कड़वी सच्चाइयों को बेहद प्रभावशाली तरीके से उजागर करती है। सामाजिक-राजनीतिक और रियलिस्टिक विषयों पर बनी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली तापसी पन्नू की परफॉर्मेंस खास तौर पर दर्शकों को भीतर तक झकझोर देती है। इसी तरह, मशहूर शेफ और कुकिंग शो मास्टरशेफ इंडिया के जज रणवीर बरार ने भी फिल्म की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि फिल्म विजुअल रूप से बेहद मजबूत है और अपनी प्रस्तुति के कारण दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है। रिलीज के साथ ही फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। ओपनिंग डे पर अस्सी ने 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि दूसरे और तीसरे दिन कुल 3.20 करोड़ का कारोबार किया। पहले हफ्ते में फिल्म 4.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन जुटाने में सफल रही।

स्वास्तिका मुखर्जी की नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा सुर्खियों में

नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध और आत्म-खोज की भावनाओं को गहराई से परखती है। फिल्म में स्वास्तिका बृष्टि नाम की तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से बेहद जटिल, कमियों से भरी और असुरक्षाओं से घिरी हुई महिला है। इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन के तहत बनने वाली यह फिल्म आज से शूटिंग शुरू करेगी, जिसमें जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। स्वास्तिका के अनुसार, बृष्टि ऐसा किरदार है जिसे पहली नजर में हर कोई शायद पसंद न करे। वह कई बार भावनाओं में बहकर गलत फैसले लेती है, लेकिन अपनी बेटी के लिए उसका प्यार बेहद सच्चा और गहरा है। अभिनेत्री ने कहा कि यह कहानी उन दुर्लभ पलों को दर्शाती है, जब इंसान अपनी कमजोरी के बीच छिपी वास्तविक ताकत को खोजता है। कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना अनुमति अपने साथ ले जाती है। यह कदम वह केवल भावनात्मक आवेग में उठाती है, लेकिन इसके बाद घटनाएं अप्रत्याशित रूप से बदल जाती हैं, जब बच्ची वास्तव में किडनैप हो जाती है। इसके बाद बृष्टि एक ऐसी यात्रा पर निकलती है, जो सिर्फ अपनी बेटी की तलाश नहीं, बल्कि खुद को समझने और अपनी गलतियों का सामना करने की भी प्रक्रिया है। स्वास्तिका ने बताया कि कहानी मातृत्व के भावनात्मक संघर्षों को ही नहीं, बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की परतों को भी उजागर करती है। कई बार माता-पिता अपनी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मुश्किल हालात उन्हें उनके अंदर छिपी सच्चाई से रूबरू करा देते हैं। फिल्म इन्हीं संवेदनाओं को सशक्त रूप से सामने लाती है। निर्देशक शिलादित्य मौलिक के अनुसार, छेलेधोरा माता-पिता के रिश्तों पर आधारित कहानी है, जो एक रोड जर्नी के रूप में आगे बढ़ती है। यह सफर उतार-चढ़ाव, भावनात्मक मोड़ों और आत्म-स्वीकृति के पलों से भरपूर है। फिल्म माफी, हीलिंग और जीवन में दूसरे मौके की महत्ता को केंद्र में रखती है। मौलिक का मानना है कि कई बार बच्चे अपने माता-पिता के लिए ही नैतिक मार्गदर्शक बन जाते हैं, और यही पहलू फिल्म को अलग बनाता है। फिल्म की शूटिंग ईटानगर और जीरो वैली जैसे अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत स्थानों में होगी।

फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं कोंकणा सेन शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'एकूस्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों की जटिलता और मानवीय रिश्तों के धुंधले पहलुओं को गहराई से दिखाती है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि समाज में कई ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि उन्हें सामने लाना बेहद जरूरी है। कोंकणा का मानना है कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों की सोच और पूर्वाग्रहों को चुनौती देने का काम करेगी। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफलिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जिस पर अपने ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। इस बारे में बात करते हुए कोंकणा ने कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणाओं को उलट देती है। उन्होंने कहा, "हम ज्यादातर महिलाओं को पीड़ित की नजर से देखते हैं, आरोपी की नजर से बहुत कम। सही है कि अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं ऐसा कर ही नहीं सकतीं। इस फिल्म में वही अनकहा पक्ष दिखाया गया है।" कोंकणा के अनुसार, फिल्म का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें दो महिलाओं के बीच सत्ता के खेल, उम्र के अंतर, पद की असमानता और रिश्तों की जटिलता को बेहद वास्तविक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म यह दिखाती है कि जब आरोपी और पीड़ित दोनों महिलाएं हों, तब समाज का नजरिया कैसे अचानक बदल जाता है। कोंकणा ने कहा कि एक शक्तिशाली पद पर बैठी महिला पर जब आरोप लगता है, तो लोग उस पर विश्वास करने में झिझकते हैं, और यही असमानता इस कहानी की परतों को खुलकर सामने लाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस फिल्म में कोई भी किरदार पूरी तरह सही या गलत नहीं है। कहानी 'ब्लैक एंड व्हाइट' नहीं, बल्कि 'ग्रे' क्षेत्र में चलती है, जहां हर व्यक्ति अपने-अपने निर्णयों और कमजोरियों के साथ खड़ा है। कोंकणा के अनुसार, यही तत्व फिल्म को वास्तविक और दर्शकों के लिए विचारोत्तेजक बनाते हैं। फिल्म यह सवाल उठाती है कि हमारी सोच, हमारे निर्णय और हमारे पूर्वाग्रह किन परिस्थितियों में कैसे बदलते हैं।

अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया राजपाल यादव ने

हाल ही में अभिनेता राजपाल यादव को करोडों के कर्ज के मामले में जेल जाना पडा था। जेल से बाहर आते ही कलाकार ने काम पर वापसी की और वैनिटी वैन से अपना एक वीडियो साझा कर फैंस और शुभचिंतकों को दिल से धन्यवाद दिया। अब अभिनेता ने अपने करियर में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया है, जिसके माध्यम से वे दर्शकों को नए अंदाज में मनोरंजन देने वाले हैं। अभिनेता ने घोषणा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक चैनल राजपाल नौरंग यादव अब शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से इस नई शुरुआत की तैयारी कर रहे थे और अब यह दिन आ गया है। उनका लक्ष्य हर आयु वर्ग के लोगों को मनोरंजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भी लोगों को हंसाने और जोड़ने की कोशिश करेंगे। राजपाल ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वे इस डिजिटल सफर में भी उनका साथ दें, क्योंकि यह उनके जीवन की नई पारी है। फिल्मों की बात करें तो राजपाल यादव पूरी तरह कमबैक मोड में हैं। उनकी आगामी फिल्म भूत-बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का पहला पोस्टर और गाना जारी हो चुका है, और दर्शकों में इसे लेकर उत्सुकता बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म हास्य से भरपूर होगी, और राजपाल की कॉमेडी टाइमिंग एक बार फिर दर्शकों को लुभाने वाली है। अभिनेता की मुश्किलें तब शुरू हुईं जब उन्होंने अपनी पिछली फिल्म के निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म फ्लॉप होने के बाद वे भारी कर्ज में डूब गए और मामला अदालत तक पहुंच गया। नतीजतन उन्हें तिहाड़ जेल में 13 दिन बिताने पड़े। इस कठिन समय में अभिनेता सोनू सूद उनके समर्थन में आगे आए और उनके लिए आर्थिक मदद जुटाने की पहल की। इसके बाद कई फिल्मी हस्तियों ने भी सहयोग दिया, जिससे राजपाल को राहत मिली और वे जेल से बाहर आ सके। राजपाल यादव ने कहा कि यह नई डिजिटल शुरुआत उनके लिए उम्मीद की किरण है। वे मानते हैं कि संघर्ष ने उन्हें मजबूत बनाया है और अब वे एक बार फिर दर्शकों को हंसाने और प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि वे इस मौके को पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे और प्रशंसकों के समर्थन को हमेशा याद रखेंगे। अभिनेता ने हाल ही में 9 करोड़ रुपये के कर्ज मामले में 13 दिन तिहाड़ जेल में बिताए, अब दोबारा अपनी पेशेवर जिंदगी को नई दिशा देने में जुट गए हैं।

परफॉर्मेंस से पहले बादशाह ने लिया श्रेया घोषाल से आशीर्वाद

बॉलीवुड के संगीत निर्माता बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल के सेट पर देश की अग्रणी प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल से मुलाकात करते नजर आए। वीडियो में बादशाह, लंदन के प्रतिष्ठित एरिना द ओ2 में अपने पहले सोलो कॉन्सर्ट को लेकर अपनी घबराहट व्यक्त करते हुए श्रेया से आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। वीडियो में बादशाह कहते हैं, 'मैं जिंदगी में पहली बार ओ2 में लाइव परफॉर्म करने जा रहा हूं। इतने बड़े एरिना में मैंने कभी सोलो परफॉर्म नहीं किया, इसलिए बहुत नर्वस हूं।' इस पर श्रेया मुस्कुराते हुए उनका मनोबल बढ़ाती हैं और कहती हैं, 'तुम शानदार हो, तुम्हें किसी टिप्स की जरूरत नहीं है। तुम कमाल करोगे।' इसके बाद बादशाह जब आशीर्वाद मांगते हैं, तो श्रेया आगे कहती हैं, 'बादशाह ओ2 में आ रहे हैं और सबको वहां होना चाहिए। उनकी स्टेज पर एनर्जी अलग ही लेवल की होती है। वह लीक से हटकर सोचते हैं और उनकी हर प्रस्तुति यूनिक होती है। ब्लॉकबस्टर गानों का बादशाह है ये, पार्टी तो यहीं से शुरू होगी।' वी में दोनों कलाकारों की दोस्ती और आपसी सम्मान साफ झलकता है। कुछ ही घंटों में इस वीडियो पर लाखों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं, और सोशल मीडिया पर लगातार कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैन्स बादशाह की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए बादशाह ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने आशीर्वाद मांगा और उन्होंने मुझे विश्वास दिया। जैसे-जैसे हम अपने पहले ओ2 कॉन्सर्ट के करीब पहुंच रहे हैं, मैं उनके इन शब्दों को अपने साथ मंच पर ले जाऊंगा और दर्शकों को अपना सब कुछ दूंगा।' उन्होंने फैन्स से 22 मार्च को ओ2 लंदन में होने वाले अपने सोलो कॉन्सर्ट का हिस्सा बनने की अपील भी की और लिखा, 'आइए और देखिए कि हम क्या तैयार कर रहे हैं।' बादशाह हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी संगीत के सबसे लोकप्रिय कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने 2006 में यो यो हनी सिंह के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और आज बॉलीवुड के शीर्ष संगीत निर्माताओं में गिने जाते हैं।

'डकैत: एक प्रेम कथा' का रोमांटिक ट्रैक 'रूबरू' रिलीज

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर आगामी एक्शन-थ्रिलर डकैत: एक प्रेम कथा का नया रोमांटिक गाना 'रूबरू' सोनी म्यूजिक साउथ के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया। गाने की शुरुआत जेल की घंटी की आवाज से होती है, जिसके बाद जेल के भीतर कैदियों और जेलर के बीच घटता एक छोटा-सा दृश्य दिखाया जाता है। इसी माहौल के बीच धीरे-धीरे फिल्म के लीड कलाकारों की एंट्री होती है और उनका रोमांटिक ट्रैक गाने को एक नया रंग देता है।

वीडियो में मृणाल ठाकुर को एक अमीर खानदान की लड़की के रूप में दिखाया गया है, जबकि अदिवि शेष एक साधारण और गरीब परिवार के युवक की भूमिका निभा रहे हैं। गाने में मृणाल का छुपकर अदिवि से मिलना और अदिवि का हर पल उनका इंतजार करना कहानी को भावनात्मक गहराई देता है। दोनों कलाकारों की सहज और स्वाभाविक केमिस्ट्री ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर यूट्यूब पर आए लाखों व्यूज और कमेंट्स यह साबित करते हैं कि दर्शकों ने इस रोमांटिक अंदाज को खूब पसंद किया है।

फैंस न सिर्फ अदिवि और मृणाल की ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि मृणाल ठाकुर के लुक ने भी सभी का ध्यान खींचा है। 'रूबरू' के बोल भास्कर भाटला रविकुमार ने लिखे हैं। गाने को भीम्स सेसिरोलियो और चिन्मयी श्रीपदा ने आवाज दी है तथा संगीत भी भीम्स सेसिरोलियो ने ही तैयार किया है।फिल्म डकैत- एक प्रेम कथा का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। कहानी एक ऐसे प्रेमी जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें युवक अपनी प्रेमिका से हुए विश्वासघात के बाद बदले की राह पकड़ लेता है। फिल्म में निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। गाने और ट्रेलर की लोकप्रियता के बाद दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और फैंस बेसब्री से इसके इंतजार में हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।